मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 7 अक्टूबर 2025

संवत 2082, कार्तिक कृष्णपक्ष प्रतिपदा मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 29 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी

हॉलीवुड सितारों के बीच 'बच्चन बहू' ने जमाई धाक 6

पिता ने की अविवाहित नाबालिग बेटी और उसके नवजात की हत्या, गिरफ्तार

संवाददाता

गढ़वा: जिले के मेराल थाना क्षेत्र में एक दिल दहलाने वाली घटना हुई है। एक बाप ने अपनी ही अविवाहित बेटी और उसके नवजात की निर्मम हत्या कर दोनों के शवों को दफना दिया। जानकारी मिलने पर सोमवार को पुलिस ने दोनों शवों को कब्र से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा सदर अस्पताल भेज दिया। साथ ही पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीते 3 अक्टूबर 2025 को ही आरोपी पिता ने अपनी अविवाहित नाबालिग बेटी और उसके एक दिन के नवजात की हत्या कर शवों को नदी के किनारे दफना दिया था। इससे पहले आरोपी पिता ने अपनी बेटी के प्रेमी पर नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर विवाह करने का वादा कर शारीरिक शोषण करने के आरोप में जेल भेजवा दिया था। जो एक सप्ताह पूर्व ही जेल से छूटकर बाहर आया था।

इधर, नाबालिग अविवाहित लड़की ने 2 अक्टूबर को एक बालक को जन्म दिया। इसकी जानकारी उसके प्रेमी को हो गई थी। उसे यह भी गुप्त जानकारी मिली थी कि उसके नवजात की हत्या करने की साजिश रची जा रही है।

इसकी जानकारी मिलते ही प्रेमी ने मेराल थाना को इस संबंध में लिखित आवेदन दिया था। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी विष्णुकांत ने सोमवार को दल-बल के साथ गांव पहुंचकर आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी से कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर नदी किनारे दफनाए गए दोनों शवों को मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में जमीन की खुदाई कर निकलवाया गया। इधर, घटना की जानकारी मिलने पर गांव के सैकड़ों लोग मौके पर पहुंच गए। सभी ने घटना की निंदा करते हुए आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की।

इस संबंध में थाना प्रभारी विष्णुकांत ने कहा कि सूचना मिली थी कि एक शख्स ने अपनी नाबालिग लड़की और उसके एक दिन के बच्चे की हत्या कर शव को नदी किनारे दफना दिया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में दोनों शव को कब्र से निकाला गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

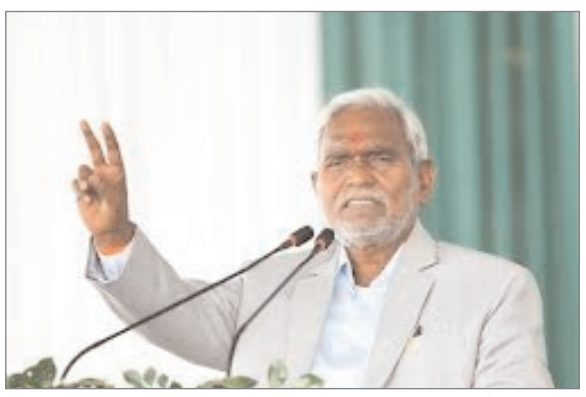

राज्य में व्याप्त जंगल राज के खिलाफ हो एकजुट : चंपाई सोरेन

जमशेदपुर: झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने राज्य में व्याप्त जंगल राज के खिलाफ लोगों से एकजुट होने की अपील की और कहा कि यहां (राज्य में) लोगों को व्यवस्था पर सवाल उठाने के लिए झूठे मामलों में फंसाया" जाता है। सोरेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में जोर देकर कहा कि झारखंड में झूठे मामलों का एक नया चलन देखने को मिला है। सरायकेला से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक ने आरोप लगाया, अगर आप कोई सवाल उठाते हैं, न्याय की मांग करते हैं, धरना देते हैं या अपने मौलिक अधिकारों के लिए लड़ते हैं, तो आपको झूठे मामलों में फंसा दिया जाएगा।" सोरेन ने दावा किया, और अगर आपको मुकदमों से डर नहीं है, तथा अगर सरकार आपकी आवाज से डरती है, तो सूर्या हांसदा की तरह आपको भी फर्जी मुठभेड़ के जरिये 'खामोश' कर दिया जाएगा।" गोड्डा जिले में कथित तौर पर पुलिस मुठभेड़ में आदिवासी नेता हांसदा की मौत हो गई थी। सोरेन ने कहा, झारखंड के लोगों को राज्य में व्याप्त इस 'जंगल राज' के खिलाफ एकजुट होना चाहिए।"

डुमरी विधायक जयराम महतो की हत्या के लिए दी गई डेढ़ करोड़ की सुपारी

बोकारो: झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सुप्रीमो और डुमरी विधायक जयराम महतो ने बड़ा खुलासा किया है। जयराम महतो ने कहा कि उनकी हत्या के लिए माफिया ने डेढ़ करोड़ रुपए की सुपारी दी है।

महतो ने अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई और सरकार से तत्काल सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। महतो ने बताया कि कुछ दिन पहले दो लोग उनसे मिलकर यह गुप्त सूचना लेकर आए कि उनके खिलाफ हत्या की सुपारी माफिया के गिरोह के सरगना को दी गई है। उन्होंने बताया कि हत्या के मुखिया ने कहा था कि जय राम महतो में उनके बचपन की यादें जुड़ी हैं, इसलिए वह गुप्त सूचना भेजने के लिए दो लोगों को उनके पास भेजा था। महतो ने साफ कहा है कि अगर उनकी हत्या हो जाती है तो झारखंड में सामाजिक और राजनीतिक भूचाल आ सकता है। महतो ने जनता से अपील की है कि वे इस काले अपराध के खिलाफ जागरूक रहें। महतो ने यह भी कहा कि वे माफिया और गुंडों की धमकियों से डरने वाले नहीं हैं और अपने आंदोलन को और तेज करेंगे ताकि झारखंड के लोगों को उनका न्याय मिले। महतो ने सरकार से उनकी सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है ताकि उनकी और क्षेत्रवासियों की जान सुरक्षित रह सके।

घाटशिला उपचुनाव

हेमंत सोरेन की प्रतिष्ठा दांव पर, चंपाई की राजनीतिक ताकत का लिटमस टेस्ट

चुनाव से पहले मुख्यमंत्री ने बुलाई जेएमएम की बैठक

संवाददाता

रांची: घाटशिला में उपचुनाव को लेकर सोमवार को चुनाव आयोग ने तारीख का एलान कर दिया। 11 नवंबर को घाटशिला में वोट डाले जाएंगे और 14 नवंबर को बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम के साथ इसका भी रिजल्ट आएगा। पूर्व शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन के बाद हो रहे इस चुनाव में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है तो पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के लिए ये चुनाव उनके राजनीतिक ताकत का लिटमस टेस्ट है।

उपचुनाव की घोषणा के बाद मुख्यमंत्री और जेएमएम के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा की विस्तारित बैठक 15 अक्टूबर को बुलाई है। सुबह 11 बजे से हरमू स्थित सोहराई भवन में होने वाली बैठक में पार्टी की केंद्रीय समिति के सभी पदाधिकारी, सदस्य, सभी जिलाध्यक्ष, सचिव, महानगर अध्यक्ष, जिला एवं महानगर संयोजकों को बुलाया गया है। इस बैठक में घाटशिला उपचुनाव, बिहार विधानसभा चुनाव के अलावा पार्टी के 13वें केंद्रीय महाधिवेशन के बाद सांगठिक स्थिति, वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति, सदस्यता अभियान की समीक्षा की जाएगी।

घाटशिला उपचुनाव में न केवल बीजेपी और जेएमएम आमने-सामने होगी, बल्कि वर्तमान मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री की साख भी दांव पर होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सरकार के दूसरे कार्यकाल का यह पहला उपचुनाव है, इसलिए इसे सरकार की साख से जोड़कर देखा जा रहा है। इस चुनाव के रणबाकुर भी तय हैं। माना जा रहा है कि जेएमएम की ओर से दिवंगत रामदास सोरेन के बेटे सोमेश सोरेन और बीजेपी की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के बेटे बाबूलाल सोरेन उम्मीदवार होंगे। हालांकि अभी तक दोनों दलों की ओर से उम्मीदवारों का एलान नहीं किया गया है। कोल्हान टाइगर कहे जाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के राजनीतिक ताकत का भी लिटमस टेस्ट होगा। 2024 के विधानसभा चुनाव में बाबूलाल सोरेन को रामदास सोरेन ने 22 हजार से ज्यादा वोटों से करारी शिकस्त दी थी, ऐसे में सहानुभूति की लहर को रोकना उनकी सबसे बड़ी चुनौती होगी।

इस उपचुनाव में जयराम महतो पर भी सभी की नजर होगी। 2024 के चुनाव में जयराम महतो की पार्टी जेएलकेएम के उम्मीदवार को करीब आठ हजार वोट मिले थे। रामदास सोरेन के निधन के बाद हो रहे चुनाव में जयराम अपने उम्मीदवार उतारेंगे या नहीं ये देखना होगा, क्योंकि पूर्व शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो के निधन के बाद डुमरी में हुए उपचुनाव में जेएलकेएम ने कोई उम्मीदवार नहीं दिया था और जेएमएम की बेबी देवी की उस सीट पर जीत हुई थी। हालांकि उस चुनाव से पहले ही हेमंत सोरेन ने जगन्नाथ महतो की पत्नी बेबी देवी को मंत्री बना दिश था। लेकिन इस बार ऐसा नहीं है, रामदास के बड़े बेटे सोमेश को मंत्री नहीं बनाया गया है। ये जरूर है कि जेएमएम की ओर से संकेत दिए गए है कि सोमेश ही उपचुनाव में उम्मीदवार होंगे। इसलिए घाटशिला में जेएलकेएम कोई उम्मीदवार देता है या नहीं ये भी एक फैक्टर बन सकता है। जयराम को एनडीए उपचुनाव में अपने साथ लाने में जुटी हुई है, जबकि जयराम ने खुद को अभी तक उपचुनाव से दूर रखा है। घाटशिला में उनका कार्यक्रम सितंबर महीने में होना था लेकिन तबीयत खराब होने के बाद उसे कैंसिल कर दिया गया और अभी तक ऐसी कोई गतिविधि देखने को नहीं मिला है।

पूर्व सीबीआई ऑफिसर एनके सिंह का निधन, जीप घोटाले में इंदिरा गांधी को किया था गिरफ्तार

नई दिल्ली: देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को गिरफ्तार करने वाले सीबीआई के पूर्व संयुक्त निदेशक एनके सिंह(निर्मल कुमार सिंह) का 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। ब्रेन हैमरेज के कारण दिल्ली के एक अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। वे अपनी ईमानदारी और बेबाकी के लिए जाने जाते थे। 4 अक्टूबर को दिल्ली में टहलने के दौरान सड़क पर गिरने से उन्हें सिर पर गंभीर चोट लग गई थी। उनका जमशेदपुर से गहरा नाता था।वो मधेपुरा जिले के कुमारखंड के रहने वाले थे, जहां पर अब उनका स्टाफ रहता है।

एनके सिंह उस वक्त पूरे देश में चर्चा का केंद्र बन गए, जब 3 अक्टूबर, 1977 को उन्होंने जीप घोटाले के एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को गिरफ्तार कर लिया था। उस समय केंद्र में मोरारजी देसाई की सरकार थी। गिरफ्तारी का आधार 1977 के आम चुनाव में रायबरेली के दौरान 100 जीपों की खरीद और एक फ्रांसीसी कंपनी को अनुबंध देने से हुए 11 करोड़ रुपए के राजस्व नुकसान को बनाया गया था।

एनके सिंह 1961 बैच के आईपीएस अधिकारी थे। उन्होंने अपने करियर में दिल्ली के डीजीपी और सीबीआई के ज्वाइंट डायरेक्टर के रूप में भी कार्य किया है। वो वर्ष 1994 में आईएएस अधिकारी (सीबीआई में जॉइंट डायरेक्टर और दिल्ली के पुलिस महानिदेशक) के पद से रिटायर्ड हुए थे। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने राजनीति में कदम रखा और समता पार्टी और बाद में जदयू से जुड़े रहे। समता पार्टी से उन्होंने मधेपुरा लोकसभा सीट से चुनाव भी लड़ा था।

सुप्रीम कोर्ट की निचली अदालतों को सख्त नसीहत

याचिकाकर्ता को न लगे कि कोर्ट आकर गलती कर दी

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने देश की सभी अदालतों को एक महत्वपूर्ण नसीहत देते हुए कहा है कि वे ऐसे आदेश पारित न करें जो याचिका के दायरे से बाहर हों और याचिकाकर्ताओं को हैरान करने वाले हों। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि अदालतें ऐसा फैसला न सुनाएं जिससे न्याय मांगने आए व्यक्ति को लगने लगे कि उसने कोर्ट आकर ही कोई गलती कर दी है।

पीठ ने जोर देकर कहा कि लोग न्याय के लिए अदालत का रुख करते हैं और अदालतों को भी याचिका के दायरे में रहकर ही फैसला सुनाना चाहिए। कोर्ट ने कहा, याचिकाकर्ता को या तो राहत दी जा सकती है या फिर राहत देने से इनकार किया जा सकता है। लेकिन जब कोर्ट हैरान करने वाला फैसला सुनाते हैं, तो याचिकाकर्ता खुद को ठगा हुआ और अपमानित महसूस करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी कोच्चि देवस्वम बोर्ड और चिन्मय मिशन एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट के बीच लाइसेंस फीस से जुड़े एक मामले में सुनवाई करते हुए की। दरअसल, ट्रस्ट को 1974 में एक हॉल बनाने के लिए जमीन आवंटित की गई थी, जिसकी लाइसेंस फीस 1977 में मात्र 227 रुपये थी। साल 2014 में बोर्ड ने इसे बढ़ाकर 1.15 लाख रुपये सालाना कर दिया और 20 लाख रुपये का बकाया भी मांग लिया। जब ट्रस्ट राहत के लिए केरल हाईकोर्ट पहुंचा, तो हाईकोर्ट ने न केवल बढ़ी हुई फीस को सही ठहरा दिया, बल्कि भूमि आवंटन को लेकर एक विजिलेंस जांच का भी आदेश दे दिया। ट्रस्ट की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने केरल हाईकोर्ट के दोनों निदेशों (फीस पुनर्निर्धारण और जांच के आदेश) को रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट के दोनों निर्देश याचिका के दायरे से बाहर थे। बेंच ने कहा, ऐसे फैसलों से तो याचिकाकर्ता खुद ही हैरान रह जाएगा। यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन है।

भारत ने पाकिस्तान को 1971 के 'बर्बर' 4 लाख बलात्कार-नरसंहार की दिलाई याद, कश्मीर मुद्दे पर दिखाया आइना

'अपने ही लोगों पर बम बरसाता है पाकिस्तान', यूएनएससी में भारत ने गिनाए पाक के काले कारनामे, खुल गयी झूठे दावों की सरेआम पोल

नई दिल्ली: संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान पर तीखा प्रहार करते हुए भारत ने उसे अपने ही लोगों पर बम बरसाने वाला" और संगठित नरसंहार करने वाला" देश बताया। महिलाएं, शांति और सुरक्षा" विषय पर आयोजित बहस में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कहा कि पाकिस्तान ने 1971 में ' ऑपरेशन सर्चलाइट' चलाया था और अपनी ही सेना द्वारा चार लाख महिलाओं के संगठित जनसंहार और बलात्कार की मुहिम को मंजूरी दी थी। हरीश ने कहा, हर साल हमें दुर्भाग्य से पाकिस्तान के मेरे देश के खिलाफ भ्रमित करने वाले भाषण सुनने पड़ते हैं, खासकर जम्मू कश्मीर को लेकर, जिस पर उसकी बुरी नजर है।"

उन्होंने कहा,जो देश अपने ही नागरिकों पर बम बरसाता है और संगठित नरसंहार करता है, वह केवल दुनिया को गुमराह करने की कोशिश कर सकता है। दुनिया अब पाकिस्तान के दुष्प्रचार को भली-भांति समझ चुकी है। गौरतलब है कि 25 मार्च 1971 को पाकिस्तानी सेना ने ऑपरेशन सर्चलाइट' नाम से पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में नागरिकों का निर्मम दमन शुरू किया था, जिसमें बड़े पैमाने पर हत्याएं और अत्याचार किए गए थे। हरीश ने रूस की अध्यक्षता वाली इस बैठक में कहा कि भारत का, " महिलाएं, शांति और सुरक्षा" एजेंडा पर रिकॉर्ड निर्मल और बेदाग है। भारत की यह तीखी प्रतिक्रिया तब आई जब पाकिस्तान ने अपने बयान में जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाया।

पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने कहा, महिलाएं, शांति और सुरक्षा एजेंडा से कश्मीरी महिलाओं को बाहर रखना इसकी वैधता और सार्वभौमिकता को कमजोर करता है।" इस पर प्रतिक्रिया देते हुए हरीश ने कहा कि भारत इस एजेंडा के प्रति अडिग प्रतिबद्धता रखता है और खास तौर पर 'ग्लोबल साउथ' के देशों के साथ अपने अनुभव साझा करने और सामूहिक समाधान विकसित करने को तत्पर है। उन्होंने कहा कि भारत की संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में निरंतर भूमिका उसकी वैश्विक शांति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। भारतीय राजदूत ने बताया कि 1960 के दशक में ही भारत ने कांगो में महिला चिकित्सकों को तैनात किया, जो संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में महिलाओं की शुरूआती भागीदारी में से एक थी। यह मात्र प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि यह स्वीकार्यता थी कि शांति स्थापना में महिलाओं की दृष्टि और कौशल आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि फरवरी 2025 में भारत ने 'ग्लोबल साउथ' की महिला शांति सैनिकों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की थी, जिसमें 35 देशों की महिला शांति रक्षकों ने भाग लिया था। 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

न्यूज IN ब्रीफ

संगठन सृजन अभियान के तहत प्रखंड में गतिविधियां संपन्न

तोरपा : संगठन सृजन अभियान 2025 के अंतर्गत तोरपा प्रखंड के जरिया पंचायत स्थित गौरबेडा.गाँव में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान 'वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान के तहत लोगों को एक हस्ताक्षर अभियान के लिए जागरूक किया गया।

इसी क्रम में, तोरपा प्रखंड अध्यक्ष अजय कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में और जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा की उपस्थिति में अम्मा पंचायत के कनकलोया गाँव में एक अन्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर पंचायत समिति के सदस्यों को कांग्रेस पार्टी का पट्टा (स्कार्फ) पहनाकर एवं नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने पदाधिकारियों से कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का आग्रह किया। साथ ही, उन्होंने 'वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान के तहत चल रहे हस्ताक्षर अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी और लोगों से अधिक से अधिक संख्या में हस्ताक्षर करने में सहयोग देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो, आदिवासी कांग्रेस की जिला महासचिव हेलेन तिडू, सांसद प्रतिनिधि धर्मदास कन्डीर, नमन तोपनो, सलीम टोपनो, जिदन तोपनो, विजय तोपनो, बंधना तोपनो सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ब्राउन शुगर व अफीम की तस्करी के वांछितों के घर पर चिपकाया गया नोटिस

चतरा : दिल्ली पुलिस ने गिद्धौर पुलिस के सहयोग से थाना क्षेत्र के कई घरों में एनडीपीएस एक्ट के तहत नोटिस चिपकाया है। दिल्ली पुलिस ने दो दिनों में करीब 20 घरों में नोटिस चिपकाया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के अफीम व ब्राउन शुगर के तस्करों में हड़कंप मच गया है। जिन घरों पर नोटिस चिपकाया गया है, उनमें कई लोग फरार बताये जा रहे हैं। दिल्ली पुलिस की इस कार्रवाई से नशे कारोबारियों में भय का माहौल है।गिद्धौर थाना प्रभारी शिवा यादव ने कहा कि दिल्ली पुलिस की ओर से एनडीपीएस एक्ट के तहत नोटिस चिपकाकर संदिग्ध लोगों को तलब किया गया है। इस कार्य में दिल्ली पुलिस का सहयोग किया गया। मालूम हो कि गिद्धौर थाना क्षेत्र को ब्राउन शुगर का हब माना जाता है। नशा के काली कमाई से तस्कर मालामाल हैं और महानगरों में आलीशान घर बना कर रह रहे हैं। हालांकि चतरा पुलिस की ओर से लगातार कार्रवाई के बाद कई तस्कर जेल में पहुंच चुके हैं, वहीं कई तस्कर क्षेत्र छोड़ कर फरार हैं।

योग्य लोगों को दिया गया योजना का लाभ

चतराः उपायुक्त कृतिश्री के निदेर्शानुसार जिला के लिए लोक सेतु पोर्टल अंतर्गत कृषि सहित अनुषंगी विभाग तथा पशुपालन, गव्य विकास, मत्स्य, भूमि संरक्षण, उद्यान, जेएसएलपीएस विभाग में संचालित कतिपय विभिन्न योजनाओं का लाभ देने हेतु सोमवार को हंटरगंज प्रखंड के नावाडीह और जोलडीहा पंचायत सचिवालय में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान सैकड़ों योग्य लाभुक के द्वारा योजना की लाभ हेतु ऑनलाइन आवेदन किया गया। दोनों पंचायत से कुल 201 आवेदन प्राप्त हुआ। जिसमें पशुपालन विभाग 11, उद्यान विभाग 19, गव्य विकास योजना 21, जेएसएलपीएस 51, जन्म प्रमाण पत्र 50 प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना 42 और आयुष्मान कार्ड से 7 आवेदन प्राप्त हुए।

कांग्रेस का देवघर जिला अध्यक्ष का चयन बना अंतरकलह का कारण

देवघर : झारखंड कांग्रेस में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद जहां कई जिलों में असंतोष की लहर उठी है. वहीं संथाल की राजनीतिक भूमि देवघर में तो हालात 'सियासी रस्साकशी' का रूप ले चुकी है. जिला में मुकुंद दास के नए कांग्रेस जिलाध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण करते ही पार्टी के भीतर मौन विद्रोह की बू आने लगी है.

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सह पूर्व सांसद फुरकान अंसारी ने इस विवाद पर जब मीडिया से सवाल सुनें. उन्होंने बड़ी सधी हुई जुबान में कहा मैं अभी कुछ कहने की स्थिति में नहीं हूं. लेकिन पत्रकारों ने जब यह पूछा कि क्या चयन प्रक्रिया निष्पक्ष रही. इस पर उन्होंने मुस्कराहट में ही जवाब टाल दिया.

दूसरी ओर, पूर्व जिलाध्यक्ष के समर्थक मानते हैं कि मुकुंद दास की ताजपोशी कांग्रेस आलाकमान का सोच-समझकर लिया गया निर्णय है. उनका तर्क है कि जो लोग संगठन में अनुशासन से अधिक व्यक्तिगत आकांक्षा को तरजीह देते हैं, वही इस फैसले से असंतुष्ट हैं. वहीं कुछ कार्यकर्ता ऑफ कैमरा फुसफुसाते नजर आए ये चुनाव निष्पक्ष नहीं, निर्देशित था. दिल्ली की मर्जी चली, देवघर की नहीं.

वहीं नवनियुक्त जिला अध्यक्ष के चयन पर पूर्व जिलाध्यक्ष से जब ईटीवी भारत की बातचीत हुई. उन्होंने भी कैमरे के सामने इस अंतर्कलह को महज अफवाह करार दिया. लेकिन जिस तरह से कार्यकताओं में रोष देखने को मिल रहा है, जो कहीं ना कहीं कई सवाल खड़े भी कर रहे हैं. देवघर कांग्रेस में फिलहाल माहौल सद्भावना से अधिक संघर्षभावना का प्रतीक बन चुका है. एक तरफ गुटीय राजनीति का धुआं उठ रहा है. दूसरी ओर आलाकमान इस आग को अनुशासन का इत्र छिड़ककर शांत दिखाने की कोशिश में है. कुछ कार्यकताओं के आक्रोश कहीं ना कहीं यह बता रहा है कि देवघर कांग्रेस में अब बात सिर्फ अध्यक्ष की नहीं, बल्कि असंतोष की आहट बढ़ रही है. नाराज कार्यकताओं का कहना है कि राजनीतिक बाग में अब गुलाबों के साथ कुछ ह्यकांटे भी खिल गए हैं.

चुनाव आयोग ने की घाटशिला उपचुनाव की घोषणा

11 नवंबर को डाले जायेंगे वोट, 14 को आयेगा परिणाम

13 अक्टूबर से शुरू होगा नामांकन

घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में लागू हुई आचार संहिता, पुरुषों से ज्यादा हैं महिला वोटर

संवाददाता

रांची : भारत निर्वाचन आयोग ने घाटशिला विधानसभा उपचुनाव की घोषणा कर दी है। आयोग द्वारा की गई घोषणा के अनुसार, 13 अक्टूबर को अधिसूचना जारी होते ही नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी जो 21 अक्टूबर तक चलेगी। 22 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी होगी और 24 अक्टूबर तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे। 11 नवंबर को घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में मतदान होगा। वहीं 14 नवंबर को इसके परिणाम घोषित किए जाएंगे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा की गई घोषणा की जानकारी देते हुए कहा कि घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव की घोषणा के साथ आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। यहां 11 नवंबर को मतदान होगा जिसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

घाटशिला में 300 बूथों पर 2,55,823 मतदाता करेंगे वोट

घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में 300 बूथों पर 2,55,823 मतदाता वोट करेंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार के अनुसार, नामांकन शुरू होने से 10 दिन पहले तक मतदाता बन सकते हैं। इस चुनाव में 218 लोकेशन में 300 बूथ बनाए गए हैं। मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के चाक चौबंद प्रबंध किए गए हैं, जिसमें सभी बूथों पर अंदर बाहर कैमरा लगाए जायेंगे और केन्द्रीय बलों की तैनाती की जायेगी।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद कुल 4,456 मतदाता बढ़े थे, जिसमें 1,585 पुरुष एवं 2871 महिला मतदाताओं की संख्या में वृद्धि है। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 2 सितम्बर को हुए मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन में मतदाताओं की संख्या 2,51,367 थी जो बढ़कर 2,55,823 हो गई है। जिसमें पुरुष 1,24,899 हैं और महिला मतदाताओं की संख्या 1,30,921 है। इस तरह से इस क्षेत्र में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों के अपेक्षा अधिक है। इस विधानसभा क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी 2,735 वोटर और ट्रांसजेंडर वोटर की संख्या 3 है।

गौरतलब है कि शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन के बाद घाटशिला सीट खाली हुई थी, इसलिए यहां उपचुनाव हो रहा है।

चुनाव आयोग ने दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिहार विधानसभा चुनाव के साथ-साथ झारखंड की घाटशिला विधानसभा सीट पर भी उपचुनाव की घोषणा की।

ज्ञात हो उपचुनाव के लिए न तो एनडीए और न ही इंडिया ब्लॉक ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। इस सीट पर इंडिया ब्लॉक की ओर से झामुमो का दावा है। झामुमो ने अभी तक अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। इधर, भाजपा भी अपने पत्ते नहीं खोल रही है।

झामुमो और भाजपा उम्मीदवार के नाम पर एकमत हैं। झामुमो का कहना है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन उचित समय पर उम्मीदवार की घोषणा करेंगे। वहीं, भाजपा का कहना है कि राज्य स्तर पर योग्य उम्मीदवारों के बारे में केंद्रीय नेतृत्व को जल्द ही सूचित किया जाएगा और उसके बाद अंतिम नाम की घोषणा की जाएगी।

जानकारों के अनुसार, झामुमो से रामदास सोरेन के बेटे सोमेश सोरेन और भाजपा से पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के बेटे बाबूलाल सोरेन के नामों पर राजनीतिक गलियारों में चर्चा चल रही है। यह चुनाव भाजपा के लिए खास तौर पर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 2000 के चुनाव में 28 एसटी आरक्षित सीटों में से 14 पर कब्जा करने वाली भाजपा के पास अब केवल एक एसटी सीट है। वह भी झामुमो से आए चंपाई सोरेन की बदौलत, जिन्होंने सरायकेला सीट जीती। पार्टी ने 2024 के चुनाव में चंपाई के बेटे बाबूलाल सोरेन को घाटशिला से उम्मीदवार बनाया था, लेकिन वह रामदास सोरेन से हार गए थे। उस समय रामदास सोरेन मंत्री थे। 2024 के चुनाव में, इंडिया ब्लॉक से झामुमो ने 20 एसटी सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस ने सात सीटें जीतीं, जिससे भाजपा की संभावनाएं खराब हुईं।

फिलहाल घाटशिला सीट झामुमो के लिए प्रतिष्ठा और सहानुभूति से जुड़ी है, जबकि भाजपा इसे वापसी के तौर पर देख रही है। झामुमो से अभी तक केवल एक नाम पर चर्चा हुई है। वह हैं रामदास सोरेन के बेटे सोमेश सोरेन। वहीं भाजपा की ओर से 2024 का चुनाव लड़ रहे बाबूलाल सोरेन सबसे प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं।

डीआरडीए निदेशक अलका कुमारी को ले जाया गया हजारीबाग, कार्रवाई पर टिकी सबकी निगाहें

संवाददाता

रांची : चतरा जिले में सोमवार दोपहर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की विशेष टीम की कार्रवाई ने प्रशासनिक हलचल तेज कर दी। एसीबी की टीम ने ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) की निदेशक अलका कुमारी को उनके कार्यालय से अपने कब्जे में लेने के बाद देर शाम तक पूछताछ की। इसके बाद उन्हें पुलिस अभिरक्षा में उनके नगवां मोहल्ला स्थित आवास पर रखा गया। पूरी रात सुरक्षा घेरे में रहने के बाद मंगलवार अहले सुबह एसीबी की टीम उन्हें लेकर हजारीबाग रवाना हो गई।

सूत्रों के अनुसार, यह पूरी कार्रवाई हजारीबाग के चर्चित खासमहल जमीन घोटाले से जुड़ी है। इस घोटाले के समय अलका

कुमारी सदर अंचल अधिकारी के पद पर थीं। माना जा रहा है कि एसीबी टीम उन्हें आज पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश कर सकती है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, पूर्व में जेल में बंद निलंबित आईएएस विनय चौबे से संबंधित प्रकरण में भी निदेशक अलका कुमारी की कोर्ट में गवाही होनी है। कोर्ट में पेशी के बाद एसीबी की ओर से उनके खिलाफ हुई गुप्त कार्रवाई और जांच का परदा उठने की संभावना है।

जानकारी के मुताबिक, सोमवार दोपहर करीब तीन बजे, एसीबी एसपी आरिफ इकराम के नेतृत्व में टीम ने चतरा स्थित डीआरडीए कार्यालय पहुंचकर अलका कुमारी से पूछताछ की। बाद में टीम उन्हें उनके आवास लेकर पहुंची और वहां भी घंटों तक पूछताछ की गई। पूरी रात सदर थाना पुलिस की विशेष टीम ने उनके आवास की घेराबंदी कर रखी। मंगलवार की सुबह एसीबी अधिकारी उन्हें हजारीबाग एसीबी कार्यालय ले गए। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या एसीबी निदेशक अलका कुमारी को गिरफ्तार करेगी या फिर गवाही के बाद उन्हें मुक्त कर दिया जाएगा।

छात्राओं को कानूनी अधिकारों के प्रति किया गया जागरूक

संवाददाता

चतरा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा सचिव के निदेर्शानुसार सोमवार को हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र के पैनी पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय लोहसिंघना विद्यालय में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान पीएलवी संदीप कुमार गुप्ता, मिथलेश कुमार, अक्षय कुमार, बिहारी कुमार, मनीष रजक, अजय कुमार, गुड़िया कुमारी और सुधीर कुमार मिश्रा ने छात्राओं को कानून के प्रति जागरूक करते हुए सहायता के लिए सुझाव दिया। छात्राओं को बताया कि अपने अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना चाहिए। शिक्षा का अधिकार, मौलिक अधिकार, महिलाओं का अधिकार, सुरक्षा का अधिकार, बाल अधिकार आदि के बारे में जानकारी दी।इस दौरान नशा उन्मूलन और बाल मजदूर नालसा टोल फ्री नंबर 15100 के बारे में भी जानकारी दी गई। मौके पर सैकड़ों विद्यालय के छात्रा उपस्थित थी।

नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष चंद्रदेव का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

संवाददाता

चतरा : सोमवार को जिला परिषद भवन के सभागार में जिला कांग्रेस कमिटी के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष चंद्रदेव गोप का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष ने पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक में नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर जिले में संगठन को मजबूत बनाने व पार्टी से अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने पार्टी का जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रति आभार व्यक्त किया। बैठक के बाद पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए चंद्रदेव गोप ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व ने जो विश्वास मुझ पर जताया है, उस पर खरा उतरना मेरा पहला कर्तव्य

है। अगले छह महीनों में चतरा जिला कांग्रेस को संगठनात्मक रूप से प्रदेश में नंबर वन बनाना मेरा संकल्प है। उन्होंने कहा कि वोट चोर गद्दी छोड़ का जो नारा राहुल गांधी ने दिया है, उसकी गूंज चतरा से लेकर दिल्ली तक सुनाई देगी। गरीब, दलित, आदिवासी और वंचित वर्ग के वोट की रक्षा के लिए के लिए हर मोर्चे पर संघर्ष करेगी। कहा कि कांग्रेस के शासन काल में चतरा को रेलवे लाइन से जोड़ने के लिए गया के शेरघाटी में शिलान्यास किया गया था। इसके बाद के किसी भी सांसद व विधायक ने चतरा को रेलवे से जोड़ने के लिए कोई पहल नहीं किया। उन्होंने कहा कि चतरा को रेलवे लाइन से जोड़ने के लिए कांग्रेस कमिटी जनांदोलन शुरू करेगी।बैठक में जिले के सभी प्रखंडों से प्रखंड अध्यक्ष के अलावा काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जेल में बंदी की बेरहमी से पिटाई शरीर पर पड़े नीले निशान

पांच दिन बाद बेल पर आया बाहर, हुआ खुलासा

चतराः चतरा मंडलकारा में एक बंदी की बेरहमी से पिटाई करने का मामला सामने आया है। पीड़ित कैदी टंडवा थाना क्षेत्र के बादल कुमार दास ने जमानत पर बाहर आने के बाद घटना का खुलासा किया है। 29 सितंबर को उसे जेल के अंदर किसी मामूली बात को लेकर जेल जमादार धर्मेंद्र कुमार गुप्ता, सिपाही मनोहर कुमार सिंह व गोपाल कुमार सिंह ने बुरी तरह पीटा। जिससे उसके शरीर के कई हिस्सों पर नीले निशान पड़ गये,लेकिन कैदी डर के कारण कुछ नहीं बोल सका। उसे घर पर कॉल भी करने नहीं दिया गया और न ही किसी मिलने जुलने दिया गया। बंदी को सेल वार्ड में डाल दिया गया। जमानत पर बाहर आने के बाद परिजनों ने उसके शरीर पर चोट के निशान

देखे। पूछने पर उसने बताया कि जेल के अंदर उसकी लाठी-डंडे से पिटाई की गयी थी। साथ ही जातिसूचक शब्द से प्रताड़ित भी किया गया।इसके बाद परिजनों ने तत्काल उसे सदर अस्पताल में ईलाज कराया। परिजनों ने पिटाई करने वालो पर कार्रवाई की मांग करते हुए सदर थाना में शिकायत किया। लेकिन थाना प्रभारी ने कारा मंडल का मामला होने की बात कह कर जेल अधीक्षक से मिलने की बात कही। परिजनो ने जेल अधीक्षक को इसकी जानकारी देकर कार्रवाई की मांग की है।परिजनो ने बताया कि जेल अधीक्षक ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

वहीं दूसरी ओर जब इस संबंध में उपायुक्त कीर्तिश्री जी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि मामला संज्ञान में नहीं है, यदि ऐसा है तो मामले की जांच करायी जायेगी।मामला सही पाये जाने पर संबंधित लोगो पर कार्रवाई की जायेगी।

टंडवा पंचायत में पीएम आवास योजना में बड़ा फर्जीवाड़ा

लाभुक की बजाय किसी और के खाते में डाली गई राशि

चतराः प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत गरीबों को पक्का घर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई योजना में जिले के प्रतापपुर प्रखंड अंतर्गत टंडवा पंचायत में बड़ा फजीर्वाड़ा का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार,पंचायत में कई लाभुकों के नाम पर आवास स्वीकृत तो किया गया, लेकिन उसके भुगतान की राशि किसी और व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर कर दी गई है। ऐसा ही खेल पंचायत के करमाचक गांव के रहने वाले सुगन कुमार यादव पिता लट्टू यादव के साथ खेला गया है। इसको लेकर भुक्तभोगी सुगन कुमार यादव सीपी ग्राम पोर्टल पर तथा प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिख पूरे मामले की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्यवाई की मांग की है। इस बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए सुगन कुमार यादव ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2021झ्र22 में मेरे नाम से आवास स्वीकृत हुआ था। जिसका आवास आईडी सुकन कुमार (जे एच 140132363)है। जब मेरे खाते में आवास का पैसा नहीं आया तो पंचायत के मुखिया से इसको लेकर कई बार बात किए तब उन्होंने बताया कि तुम्हारा सीरियल नंबर 496 है अभी आवास का पैसा खत्म हो गया है। अगली बार जब सरकार आवास का पैसा भेजेगी तब पंचायत के सभी छूटे हुए लाभुक को आवास का पैसा उनके खाते में चला जाएगा। उसके बाद मैं काम के सिलसिले में गुजरात चला गया। तभी इसी वर्ष के जून माह में मुखिया किशोर यादव के द्वारा फोन करके मुझ से बोला गया कि आवास का पैसा खाता में डाला जा रहा है। जल्दी से आधार पासबुक भेजवा दो ताकि वेरिफाई करवा के तुम्हारा खाता में पैसा डलवा देंगे।तब मेरे द्वारा बैंक पासबुक तथा आधार कार्ड आदि उन्हें उपलब्ध करवा दिया गया। पुनः उसी जून माह के अंतिम तारीख को मुखिया जी के द्वारा फोन किया गया और बोला गया कि सुकन तुम्हारा खाता में आवास का पहला किस्त 40 हजार चला गया है आकर घर में काम लगा दो बाबू।।

परंतु जब लाभुक सुकन यादव के द्वारा अपना खाता चेक किया गया तो उसमें आवास का पैसा नहीं आया था।। जब इस बात की जानकारी उनके द्वारा मुखिया किशोर यादव को दी गई तो उनका कहना था कि गलती से तुम्हारा पैसा कोई कारू यादव नाम के व्यक्ति के खाते में चला गया है।

तब से लेकर आज तक लाभुक सुकन कुमार यादव आवास का पैसा पाने के लिए दर दर की ठोकर खा रहा है।। कभी मुखिया को फोन लगाता है तो कभी बीडीओ को तो कभी पीएम आवास ऑपरेटर को फोन लगाता है। परंतु कोई इस गरीब को सुनने को तैयार नहीं है।सुकन कुमार का कहना है कि यह सारा खेल पंचायत के मुखिया जी, पंचायत सचिव तथा पीएम आवास कर्मी और कुछ बिचौलिया की मिली भगत से खेला जा रहा है।

सदर अस्पताल में पहली बार हुई बाएं तरफ के गाल ब्लैडर स्टोन की सफल सर्जरी

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के सदर अस्पताल में एक अनोखी और चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन में सफलता हासिल की गई है। पहली बार बाएं तरफ गाल ब्लैडर स्टोन की लेप्रोस्कोपिक सर्जरी की गई, जो एक कंप्लीट सूट्स इनवर्सस केस था।

इस दुर्लभ बीमारी में शरीर के अंग जैसे हृदय, पित्ताशय, आदि, अपने सामान्य स्थान की बजाय उल्टे हिस्से में होते हैं। यह स्थिति लगभग 10,000 से 20,000 मरीजों में एक बार ही देखने को मिलती है। इस सफल

ऑपरेशन का नेतृत्व सदर अस्पताल के लेप्रोस्कोपिक सर्जरी विभाग के वरिष्ठ सर्जन डॉ। अजीत कुमार ने किया। ऑपरेशन के दौरान डॉ। अजीत और उनकी टीम ने बेहद सावधानी से काम किया क्योंकि इस तरह के मरीजों का ऑपरेशन करना बहुत मुश्किल होता है। सर्जन को उल्टी तरफ खड़े होकर ऑपरेशन करना पड़ता है, जो सामान्य शल्य चिकित्सा के विपरीत होता है। मरीज बी। बाड़ा, जो बेड़ो थाना के ईंटा चिंद्ररी की रहने वाली हैं और फिलहाल मोराबादी में रहती हैं, पिछले दो-तीन महीनों से पेट दर्द से परेशान थीं।

जांच में पता चला कि उन्हें गंभीर बीमारी एक्यूट पेनक्रिएटाइटिस है और उनके पित्ताशय में कई पत्थर हैं जो सामान्य के विपरीत बाएं तरफ स्थित हैं। इको और सीटी स्कैन से यह भी पता चला कि उनका हृदय दाहिनी बजाय बाएँ तरफ है, यह पूरी स्थिति कंप्लीट सूट्स इनवर्सस दशार्ती है। मरीज के पति जोसेफ उरांव जो खेती-किसानी करते हैं, ने अस्पताल प्रशासन और डॉ। अजीत की टीम को धन्यवाद दिया। उनका इलाज आयुष्मान योजना के तहत पूरी तरह निःशुल्क किया गया। इस ऑपरेशन में एडवांस्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ। अजीत कुमार, एनेस्थेटिस्ट डॉ। वसुधा गुप्ता, डॉ विकास बल्लभ, सिस्टर स्नेहलता, और ओटी स्टाफ सहित संदीप, संतोष, सृष्टि, सुरेश, अमन, विरंजन, कल्पना व नंदिनी की टीम शामिल थी।

रांची बाल कल्याण संघ की हुई वार्षिक आमसभा

संवाददाता

रांची: बाल कल्याण संघ की ओर से वार्षिक आमसभा का आयोजन सप्तऋषि सेवा संस्थान तुपुदाना में किया गया। सभा में कई गतिविधियों की चर्चा के साथ निर्णय लिया गया कि आने वाले समय में संस्था मोबाइल फोन के दुष्प्रभाव से प्रभावित हो रहे बच्चों के व्यावहारिक परिवर्तन पर कार्य करेगी। साथ ही जलवायु परिवर्तन और जीवन कौशल आधारित गतिविधियों को भी कार्य करेगी। संस्था के सचिव संजय मिश्र ने कहा कि बाल कल्याण संघ की यह वार्षिक आम सभा प्रत्येक वर्ष आयोजित की जाती है। इसमें संगठन के कार्यों की समीक्षा, चुनौतियों पर विचार और आगामी दिशा तय की जाती है।

मुख्यमंत्री कर रहे आदिवासी धार्मिक स्थलों की सुरक्षा में भेदभाव: बाबूलाल मरांडी

संवाददाता

रांची: झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर आदिवासी धर्मस्थलों की सुरक्षा में भेदभाव का गंभीर आरोप लगाया है। मरांडी ने कहा कि सरना स्थल, मसना स्थल, हड़गड़ी और जाहरथान जैसे आदिवासी धार्मिक स्थलों पर लगातार अतिक्रमण और हमले हो रहे हैं, परन्तु सरकार कोई प्रभावी सुरक्षा इंतजाम नहीं कर रही है।

मरांडी ने सिमडेगा में चर्च की सुरक्षा को लेकर प्रशासन द्वारा ईसाई धर्मगुरुओं के साथ की जा रही बैठकों को भी विवादित बताया। उन्होंने सवाल उठाया कि क्यों केवल चर्च को विशेष सुरक्षा दी जा रही है और क्या इसका उद्देश्य मतांतरण कराने वाले गिरोहों को संरक्षण देना है। मरांडी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स (पूर्व में ट्विटर) में लिखा कि पिछले कुछ वर्षों में झारखंड में कई जगह संतालों के जाहिर थान, मांझी थान की जमीनों पर कब्जा एवं अतिक्रमण की घटनाएं हुई, विवाद हुआ

और ये सब हो रहा है। आदिवासियों के सरना स्थल, मसना स्थल, हड़गड़ी के जमीनों के अतिक्रमण का विरोध और सुरक्षा को लेकर लोगों को आये दिन आंदोलन करना पड़ रहा है। झारखंड के मंदिरों पर हमले हुए हैं। मंदिरों पर कहीं बम फेंके गए, कहीं पथराव हुआ, तो कहीं देवी-देवताओं की प्रतिमाएं खंडित की गईं, लेकिन क्या कभी राज्य सरकार ने इनसबों की सुरक्षा को लेकर उन समाज के धर्मगुरुओं के साथ कोई बैठक की? जवाब है, नहीं!

मरांडी ने कहा कि अब सिमडेगा में चर्च की सुरक्षा के लिए खुद डीसी, एसपी और प्रशासनिक अधिकारी ईसाई धर्मगुरुओं के साथ बैठक करने जा रहे हैं। आखिर चर्च को ही विशेष सुरक्षा की जरूरत क्यों महसूस की जा रही है? क्या यह उन मतांतरण कराने वाले गिरोहों को सुरक्षा देने की तैयारी है, जो चंगाई सभा' के नाम पर भोले-भाले आदिवासियों को धर्मांतरण करा रहे हैं? चर्च की साजिश, ऐसे 'चर्च प्रेमी' अफसरों की कारगुजारी एवं चंगाई सभा में रोग भगाने जैसे अंधविश्वास को बढ़ावा देने के कारण ही सिमडेगा में आज लगभग 51 प्रतिशत आबादी का ईसाई धर्म में मतांतरण हो चुका है। ऐसे में सरकार प्रायोजित इस बैठक के पीछे छिपी मंशा को लेकर लोगों के मन में संदेह है। उन्होंने लिखा है हेमंत सोरेन जेएमएम जी, अगर सुरक्षा व्यवस्था करनी ही है, तो सिर्फ चर्च के लिए क्यों? सरना, मसना, हड़गड़ी स्थल, जाहिर थान, मांझी थान, मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारों की भी सुरक्षा की चिंता क्यों नहीं? सिमडेगा में होने वाली बैठक का मूल एजेंडा सार्वजनिक किया जाए, या फिर सभी धर्म/समाज के प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर उनसबों के धर्मस्थलों के सुरक्षा पर चर्चा की जाए।

शरद पूर्णिमा पर बांग्ला मंडपों में हुई लक्खी पूजा

संवाददाता

रांची: राजधानी के विभिन्न बांग्ला मंडपों में सोमवार को शरद पूर्णिमा के अवसर पर मां लक्खी की पूजा-अर्चना की गयी। यहां मां की प्रतिमा बैठायी गयी थी। उसके बाद पूजा अर्चना कर सबकी मंगलकामना के लिए प्रार्थना करते हुए खेत खलिहान व घर अन्न से भरे रहे इसकी कामना करते हुए शीश झुकाया गया। इसके बाद प्रसाद का वितरण किया गया। प्रसाद स्वरुप खीर, नारियल का लड्डू, चुड़ा, ईख सहित अन्य कुछ था। इधर, लोगों ने घरों में मां की प्रतिमा बैठाकर पूजा अर्चना की। इसके अलावा भगवान सत्यनारायण स्वामी की कथा सुनी। वहीं, भगवान को विभिन्न प्रसाद अर्पित कर इसका वितरण किया गया। हरिमति मंदिर वर्द्धमान कंपाउंड में भी पूजा हुई। यहां सत्यनारायण भगवान की पूजा के बाद लक्ष्मी पूजा शुरू हुई। विधि विधान से पूजा के बाद पुष्पांजलि दी गयी। इसके बाद आरती कर भोग का वितरण किया गया।

इसमें खिचड़ी, चटनी व खीर था। इस अवसर पर सभापति सुप्रियो भट्टाचार्य, सचिव बिरेन चक्रवर्ती, गौरव घोष, प्रतुल, राहुल सेन गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे। देशप्रिय क्लब एंड लाइब्रेरी में भी पूजा की गयी। पूजा के बाद पुष्पांजलि और आरती कर भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। पूजा में अध्यक्ष डॉ कमल बोस, सचिव प्रणव कुमार चौधरी, कालीदास, देवाशीष मुखर्जी, अंजली चौधरी, इति बोस, बुलु सरकार, काजल बोस के अलावा काफी संख्या में भक्त उपस्थित थे।

बच्चों के कफ सिरप पर जिला प्रशासन अलर्ट

बिना डॉक्टर की पर्ची बिक्री पर रोक

संवाददाता

रांची : बच्चों के कफ सिरप से सेहत पर असर पड़ने की खबरों के बाद रांची जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सिविल सर्जन को जांच के निर्देश दिए हैं।

प्रशासन ने साफ कहा है कि अब किसी भी मेडिकल स्टोर पर बिना डॉक्टर की पर्ची के कफ सिरप नहीं बेचा जाएगा। अगर कोई मेडिकल स्टोर या डॉक्टर इस नियम का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सिविल सर्जन को यह भी कहा गया है कि बाजार में बिकने वाले कफ सिरप के सैंपल

की जांच कराई जाए, ताकि उनकी गुणवत्ता और सुरक्षा की पुष्टि हो सके। जिला प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे डॉक्टर की सलाह के बिना अपने बच्चों को कोई भी कफ सिरप न दें, ताकि किसी तरह का नुकसान न हो।

कुख्यात अपराधी दानिश इकबाल गिरफ्तार कई संगठित गैंगस्टर घटनाओं का खुलासा

हजारीबाग: जिले में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर रविवार की देर रात नगवा हवाई अड्डा के पास कुख्यात अपराधी दानिश इकबाल को गिरफ्तार कर एक बड़ी सफलता हासिल की है। 23 वर्षीय दानिश इकबाल बिहार के गया जिले के शेरघाटी थाना अंतर्गत रमना मोहल्ला का निवासी है और वह हत्या, रंगदारी, लूट, अपहरण, फिरौती तथा गोलीबारी जैसे संगीन अपराधों में सक्रिय रहा है।

वह कई राज्यों की पुलिस की भी तलाश में था। पुलिस को सूचना मिली कि दानिश इकबाल अपने साथियों के साथ नगवा टोल प्लाजा के आसपास आने वाला है। थाना प्रभारी लोहसिंघना के नेतृत्व में सशस्त्र बल ने घेराबंदी कर दानिश को धर दबोचा। तलाशी में उसके पास से कई मोबाइल फोन, 11 सिम कार्ड, फर्जी आधार और पैन कार्ड, एक राउटर, नोटबुक व अन्य संदिग्ध सामान बरामद हुआ। आरोपी ने पूछताछ में अपने आपराधिक गिरोह की विस्तार से जानकारी दी। हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस

बड़ी सफलता की जानकारी दी तथा कहा कि पुलिस अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखेगी। पूछताछ के दौरान दानिश ने बताया कि वह उत्तम यादव, शक्ति गिरी उर्फ 'साईको टाइगर, फोटो खान समेत 15-20 युवकों के साथ मिलकर संगठित अपराध करता है। उनका मुख्य काम विभिन्न कारोबारियों व कंपनियों से रंगदारी वसूलना है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि दानिश दिसंबर 2024 में हजारीबाग के उदय साव हत्याकांड में शामिल था। इसके अलावा गया जिले के आमस में अनवर अली हत्या कांड, गुरुआ थाना क्षेत्र में भारत माला प्रोजेक्ट कैंप में मजदूरों पर हमला और 4 जनवरी 2025 को डॉ. तपेश्वर प्रसाद के क्लिनिक पर बम फेंकने का मामला भी उसके गिरोह की ओर से किया गया था। दानिश इकबाल पर गया, शेरघाटी, आमस, गुरुआ और हजारीबाग थानों में हत्या, रंगदारी, विस्फोटक अधिनियम और हथियार अधिनियम के तहत कई गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक यह गिरफ्तारी क्षेत्र में अपराध रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस छापेमारी को थाना प्रभारी लोहसिंघना और सशस्त्र बल की टीम ने अंजाम दिया।

लालपुर चौक पर चला निगम का अतिक्रमण हटाओ अभियान, ठेले-गुमटियां जब्त

संवाददाता

रांची : नगर निगम की टीम ने मंगलवार को सुबह-सुबह लालपुर चौक पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। नगर निगम की टीम को देखकर सड़क किनारे ठेले-खोमचे लगाये दुकानदार अपने-अपने सामान समेटने लगे।

नगर निगम की टीम ने अवैध रुप से लगे सभी ठेले, गुमटी और दुकानों को हटाया और उसे जब्त कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि संबंधित दुकानदारों को पहले कई बार चेतावनी दी जा चुकी थी। इसके बावजूद वे सड़क और फुटपाथ पर अवैध रूप से दुकानें लगाते हैं।नगर निगम के एक अधिकारी ने कहा कि इन अवैध दुकानों की वजह से यातायात बाधित होता है और लोगों को पैदल चलने में दिक्कत होती है। आसपास के लोग भी परेशान रहते हैं।

झारखंड में हवाई अड्डों की सुरक्षा होगी और मजबूत, चार एयरपोर्ट पर होगी क्यूआरटी की तैनाती

रांची : झारखंड के हवाई अड्डों की सुरक्षा अब और मजबूत होगी। स्पेशल ब्रांच ने राज्य के चार एयरपोर्ट पर क्विक रिएक्शन टीम (क्यूआरटी) की प्रतिनियुक्ति करने का निर्णय लिया है। जिन चार एयरपोर्ट पर क्यूआरटी की तैनाती की जाएगी, उनमें सोनारी एयरपोर्ट (जमशेदपुर), देवघर एयरपोर्ट, बोकारो एयरपोर्ट और दुमका एयरपोर्ट शामिल हैं।

स्पेशल ब्रांच द्वारा जारी आदेश के अनुसार, इन सभी एयरपोर्ट पर सिपाही से लेकर इंस्पेक्टर स्तर तक के पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों की प्रतिनियुक्ति क्यूआरटी के तौर पर की जाएगी। प्रत्येक एयरपोर्ट पर 15-15 पुलिस पदाधिकारी और कर्मी तैनात किए जाएंगे।

अरगोड़ा-चापुटोली फ्लाईओवर का डीपीआर अंतिम चरण में

संवाददाता

रांची: अरगोड़ा से चापुटोली तक फ्लाइओवर निर्माण के लिए डीपीआर अंतिम चरण में है। जल्द ही इसे मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जायेगा। पथ निर्माण विभाग इसकी तैयारी कर रहा है। इस फ्लाइओवर के निर्माण पर करीब 300 करोड़ रुपये की लागत आयेगी। भू-अर्जन से लेकर सारे कार्यों का आकलन किया गया है। साथ ही पाइप लाइन शिफ्टिंग व बिजली पोल को हटाने के काम भी इसमें शामिल किया गया है। बीच सड़क पर पिलर की व्यवस्था होगी, जिस पर फ्लाइओवर स्थापित किया जायेगा। साइड के हिस्से को छोड़ा जायेगा, ताकि भू-अर्जन पर सड़क चौड़ी हो सके। इस तरह नीचे भी सड़क पर आवागमन सुचारू हो सकेगा।

चौक पर राउंडअबाउट की होगी व्यवस्था

प्रयास किया जा रहा है कि अरगोड़ा चौक पर फ्लाइओवर में राउंडअबाउट की भी व्यवस्था की जायेगी। इसे डीपीआर में शामिल किया जा रहा है। विभाग का मानना है कि चौक पर केवल एक तरफ से दूसरी तरफ जाने की ही व्यवस्था न हो, बल्कि उस पर चढ़ने के बाद गाड़ियां किसी भी तरफ उतर सकें। ऐसे में यहां पर फ्लाइओवर में राउंडअबाउट का प्रावधान करना होगा। इससे ट्रैफिक की समस्या दूर हो सकेगी।

चापुटोली के आगे आसानी से बन सकेगा फ्लाइओवर: चापुटोली के पास फ्लाइओवर को क्लोज नहीं किया जायेगा, बल्कि यहां ऐसी व्यवस्था होगी कि इसके आगे के निर्माण में सहुलियत होगी। यहां से आसानी से कनेक्ट करके भविष्य में फ्लाइओवर का निर्माण कराया जा सकेगा।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 17 वर्ष 2025–26

पत्रांक :- / गुमला, दिनांक :- 04/10/2025

1. विभाग का नाम :- जल संसाधन (लघु सिंचाई) विभाग, झारखंड सरकार, रांची।
2. विज्ञापन दाता का नाम :- कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला।
3. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि :- 10.10.2025 को (10:00 बजे पूर्वाह्न से 1:00 बजे अपराह्न तक)
4. निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय :- 13.10.2025 को 03:00 बजे अपराह्न तक
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :- 14.10.2025 को 3:30 बजे अपराह्न
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :- (1) कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला। (2) सहायक अभियन्ता, लघु सिंचाई अनुमंडल, गुमला।
7. निविदा प्राप्ति एवं निविदा खोलने का स्थान :- कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला।
8. परिमाण विपत्र का मूल्य :- राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत बैंक ड्राफ्ट जो राष्ट्रीयकृत बैंक, गुमला में भुगतेय हो, मान्य होगा।
9. कार्य की विस्तृत विवरणी :-

ग्रुप सं०	योजना का नाम	प्रखंड	योजना मद का नाम	परिमाण विपत्र की राशि (रू० में)	अग्रधन की राशि (रू० में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू० में)	कार्य समाप्ति की अवधि	निविदादाता की समुचित श्रेणी
1	Renovation of Guest House At-Kali Mandir, Village- Kali Mandir Toil, Panchayat-Uttari Palkot	पालकोट	पर्यटन मद	24,84,900.00	49,700.00	5000.00	तीन माह	श्रेणी–III

निविदा की शर्तें :– 1. बैंक ड्राफ्ट निविदित संवेदक के स्वयं के खाता से निर्गत हुआ हो तथा बैंक ड्राफ्ट की वैधता अवधि निविदा की प्रकाशन की तिथि से तीन माह तक का हो, मान्य होगा।
2. निविदा में 10% न्यूनतम दर से अधिक न्यूनतम दर उद्धृत करने पर आवकलित राशि का 20% अथवा 30% अतिरिक्त जमा राशि का कारक राशि जमा पासबुक / बैंक द्वारा निर्गत फिक्स डिपोजिट निविदा के साथ जमा करना अनिवार्य होगा।
3. जो निम्न है:– 1. 10% से 20 प्रतिशत कम दर की राशि का 20% तक।
2. 20% प्रतिशत से अधिक कम दर की राशि का 30% अतिरिक्त जमानत राशि देय होगा।
10. निविदा से संबंधित सभी सूचना अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय के सूचनापट पर देखा जा सकता है।

E-mial ID – eemidgum@gmail.com

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमण्डल, गुमला

PR 363356 Minor Irrigation(25-26).D

सूक्ति

मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े: अटल बिहारी वाजपेय

विजयी 'तिलक'

कुछ महीनों पहले विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम ने टी20 एशिया कप पर कब्जा जमाकर अपनी श्रेष्ठता एक बार फिर साबित कर दी है। यह सही है कि भारत को इस खिताबी जीत के लिए खासा संघर्ष करना पड़ा। पर हमेशा जीत के ही मायने होते हैं। इस लिहाज से देखें पाकिस्तान पर इस चैंपियनशिप में पहली जीत दर्ज करने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहना कि दोनों देशों के बीच प्रतिद्वंद्विता रह कहां गई है, काफी हद तक सही लगती है। इसकी वजह भारत की पाकिस्तान पर लगातार आठवीं जीत दर्ज करना है। पिछले कुछ समय से क्रिकेट प्रेमी यह कहने लगे हैं कि भारत-पाकिस्तान मुकाबलों में अब पहले जैसा रोमांच नहीं रहा है। इस सोच की फाइनल मुकाबले ने एकदम से हवा निकाल दी है। इस मुकाबले में आखिरी ओवर फेंके जाने तक यह तय नहीं था कि कौन सी टीम विजेता बनेगी। भारतीय जीत की वजह खिलाड़ियों द्वारा महत्वपूर्ण मौकों पर धड़क नों को काबू में रखना है। इस खूबी की वजह से ही भारतीय टीम पाकिस्तान के 12.4 ओवर में एक विकेट पर 113 रन बनाने के बाद उन्हें 146 रनों पर समेंटने में सफल हो गई। वहीं अपने तीन प्रमुख विकेट गिर जाने पर लक्ष्य पाने में सफल हो गई। बात यहां तक भारत-पाक मुकाबलों के रोमांच की है तो फाइनल देखने के बाद शायद ही कोई रोमांच में कमी आने की बात माने। आईसीसी इन दोनों देशों के मुकाबले के महत्व को जानता है इसलिए ही वह इसका पूरा फायदा उठाने का प्रयास करता है। इस कारण ही भारत और पाकिस्तान को एक ग्रुप में रखकर दोनों के बीच तीन मुकाबले की संभावनाएं बनाई जाती हैं। इसकी वजह अधिक से अधिक कमाई करना होता है। अगर दोनों टीमों को अलग- अलग ग्रुपों में रखा जाता तो तमाम विवादों से बचा जा सकता था। वैसे भी तमाम विवाद खेल भावना को नहीं दशार्ते हैं। सही मायनों में तो खेल को राजनीति से बचाने का प्रयास किया जाना चाहिए। पर इसमें दोनों में से किसी की भी दिलचस्पी नजर नहीं आती है। दोनों टीमों में विवाद पहले भी रहे हैं। पर मैदान के बाहर सबकुछ भुला दिया जाता था। पर पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के पहलगाम हमले के बाद से इस मामले में सबकुछ बदल गया है। पर इतना जरूर है कि मैदान में खिलाड़ियों के आपस में भिड़ने और कमेंट्री रूम में दोनों देशों के पूर्व क्रिकेटरों के सहज रहना थोड़ा अटपटा जरूर लगता है। इसलिए खेल भावना को बनाए रखना ही खेल के लिए हितकर लगता है।

मौत या हत्या

तमिलनाडु. के करूर जिले में एक रैली में भगदड़. मचने से 40 लोगों की मौत हो गई और अनेक घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई गई है। मरने वालों में 10 बच्चे और 16 महिलाएं शामिल हैं। टीवीके के नेता और अभिनेता विजय ने शनिवार को तमिलनाडु के करूर जिले में रैली की थी। विजय ने भगदड़. में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की कि हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को 20- 20 लाख रुपये का मुआवजा देंगे। घायलों को भी 2 लाख देने का ऐलान किया। हादसा उस समय हुआ जब हजारों समर्थक विजय के संबोधन को सुनने के लिए इकट्ठा थे। कार्यक्रम स्थल पर भीड़. बढ़ती चली गई। इसी पुलिस ने एकाएक लाठीचार्ज कर दिया जिससे भगदड़. मच गई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने घटना को गंभीर और चिंताजनक' बताया। करूर नगर पुलिस ने टीवीके के नेताओं के समेत कई लोगों के खिलाफ बीएनएस की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया है। भगदड़. के कारणों को लेकर लोगों के अपनेझअपने दावे हैं और स्पष्ट नहीं है कि क्या गड़बड़. हुई; क्या आयोजन स्थल का चयन गलत होने से यह सब हुआ या फिर भीड़. के बेकाबू हो जाने से। कुछ लोगों का दावा है कि सभा स्थल पर भीड़. ने अवरोधक के लिए लगाए गए टिन शेड़ को गिरा दिया और कई लोग पास की फूस की छतों पर चढ़ गए जो उनका भार सहन नहीं कर सकीं और गिर गयी। इस बीच स्थिति को काबू में लाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया जिससे भीड़. में फंसे बच्चों समेत अन्य लोग समझ नहीं पाए कि हो क्या रहा है। बेशक, यह घटना राजनीतिक आयोजनों में सुरक्षा में चूक की कमी को उजागर करती है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिएएसओपी बनाई जानी चाहिए ताकि रैलियों में किसी तरह की भगदड़. न होने पाए। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि देश में पिछले कुछ समय में हुई ऐसी भगदड़ों के बाद भी सबक क्यों नहीं लिया गया? राजनीतिक आयोजनों ही नहीं बल्कि धार्मिक स्थलों और खेल के मैदानों में भी दर्शकों की भीड़. बेतहाशा बढ़ने पर इस प्रकार के हादसे की आशंका बराबर बनी रहती है। जरूरी है कि भीड़. के कारगर प्रबंधन के लिहाज से भी बंदोबस्ती में ध्यान रखा जाए। एसओपी तैयार किया जाना तो बेहद जरूरी है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी

'संघ ने स्वदेशी को न केवल एक आर्थिक विचार के रूप में, बल्कि एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विचार के रूप में भी व्यक्त किया। दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद (1965), जो संघ द्वारा समर्थित एक मौलिक दर्शन है, स्वदेशी को भारतीय लोकाचार में निहित समग्र मानव विकास से जोड़ता'

डा. अश्विनी महाजन

अगस्त 1905 में, जब स्वदेशी आंदोलन की औपचारिक घोषणा हुई, स्वदेशी राजनीतिक आंदोलन का एक माध्यम बन गया। विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का आह्वान स्वदेशी विचार प्रक्रिया का हिस्सा बन गया। यह स्वदेशी के विचार का एक व्यावहारिक प्रकटीकरण था, लेकिन मूल विचार विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार से कहीं आगे तक फैला था। महात्मा गांधी भारत के अहिंसक औद्योगिक विकास में विश्वास करते थे। हालांकि, स्वतंत्रता के बाद, जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में स्वदेशी आंदोलन ने जल्द ही समाजवाद को अपना लिया, और एक ऐसे दौर में पहुंच गया जहां आत्मनिर्भरता जैसे शब्द निजी क्षेत्र को बदनाम करने और निजी उद्यमों के राष्ट्रीयकरण के साथ राज्य-आधारित विकास के प्रयास को आगे बढ़ाने के लिए उभरे। राज्य की केंद्रीयता ने स्थानीय उद्यमों की स्वदेशी भावना और उनकी जीवंतता का स्थान ले लिया। बाद में, 90 के दशक की शुरूआत में, व्यापक भुगतान संतुलन संकट, जिसने अंततः 1990 के दशक में अर्थव्यवस्था को खोलने के लिए मजबूर किया, ने आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के विकास मॉडल को फिर से एक दूसरे प्रकार से बदनाम कर दिया। दिलचस्प बात यह है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पहले नेहरूवादी राज्य-प्रायोजित, सार्वजनिक क्षेत्र-आधारित आत्मनिर्भरता मॉडल का विरोध किया था, और संघ द्वारा पुनः बहुराष्ट्रीय कंपनियों की पूंजी और तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता पर आधारित वैश्वीकरण मॉडल का भी उतना ही मुखर विरोध हुआ। यह कोई रहस्य नहीं है कि आर्थिक सुधारों और विदेशी पूंजी, वस्तुओं और सेवाओं के लिए अर्थव्यवस्था के खुलने से स्थानीय उद्यमों पर भारी दबाव पड़ा है। 2020 से शुरू हुई आत्मनिर्भर भारत की नई पहल को स्वदेशी जागरण मंच (एसजेएम) का समर्थन प्राप्त है, क्योंकि इसका उद्देश्य विदेशी पूंजी और तकनीक पर निर्भरता और प्रभुत्व को कम करना है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में समाज में बदलाव लाने हेतु जिन पांच बिंदुओं, जिन्हें पंच परिवर्तन कहा गया है, उनमें एक महत्वपूर्ण बिंदु, स्व के भाव का जागरण यानी स्वदेशी भी है। इसके अतिरिक्त समरसता, पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन और नागरिक कर्तव्य के विषयों को सामाजिक परिवर्तन हेतु रखा गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पिछले 100 वर्षों में स्वदेशी विचारधारा के पोषण और प्रचार में एक विशिष्ट भूमिका निभाई है। स्वदेशी के बारे में इसकी समझ कभी भी केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता तक सीमित नहीं रही, बल्कि संघ के लिए स्वदेशी को भारत की संस्कृति, परंपरा और मूल्यों में निहित एक सभ्यतागत लोकाचार के रूप में देखा गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना ऐसे समय में हुई जब स्वतंत्रता संग्राम के तहत स्वदेशी आंदोलन पहले ही गति पकड़ चुका था। लेकिन संघ के लिए स्वदेशी का अर्थ केवल विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करना ही नहीं था, बल्कि स्वदेशी उद्योगों, ग्रामीण शिल्प, कृषि और सांस्कृतिक गौरव को पुनर्जीवित करना भी था। डा. हेडगेवार जी का मानना था कि राष्ट्रीय पुनरुत्थान के लिए राजनीतिक स्वतंत्रता के साथ-साथ अर्थव्यवस्था और विचारों में आत्मनिर्भरता के माध्यम से समाज को मजबूत बनाना भी आवश्यक है। यानि कह सकते हैं कि संघ प्रारंभ से ही विदेशी के बहिष्कार के साथ ही साथ देश के पुनरुत्थान के लिए व्यापक स्वदेशी की समर्थक रहा है। जब औपनिवेशिक शक्तियों के पुनःउभार के कारण उत्पन्न समस्याओं के संदर्भ में, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से, स्वदेशी जागरण मंच की स्थापना की गई, तो मंच के कार्यों में तीन आयाम जोड़े गए। पहला आयाम रहा, जन जागरण, जिसके अंतर्गत स्वदेशी वस्तुओं, स्थानीय उत्पादों और विदेशी खतरों के संदर्भ में जन जागरण के विषयों को रखा गया। स्वदेशी का दूसरा आयाम रहा, आंदोलन। भारत की आर्थिक स्वतंत्रता अक्षुण्ण रखने के लिए स्वदेशी जागरण मंच ने कई आंदोलन भी किए। प्रारंभ में गैट के अंतर्गत होने वाले समझौतों के संदर्भ में देश के हितों की रक्षा हेतु डंकल ड्राफ्ट के विरोध में देशव्यापी आंदोलन स्वदेशी जागरण मंच के द्वारा शुरू किया गया।

उसके बाद विदेशी कंपनियों द्वारा गहरे समुद्र में मछली पकड़ने (और इसके कारण छोटे मछुआरों पर आए संकट) के विरोध में मत्स्य यात्रा निकाली गई। उसके उपरांत अलकबीर के यांत्रिक कत्लखाने के विरोध में वर्धा से अलकबीर तक की 107 किलोमीटर लंबी पदयात्रा निकाली गई। अपने 34 वर्ष के अस्तित्व के दौरान स्वदेशी जागरण मंच ने अनेकों अभियान और आंदोलन आयोजित किए, जिनमें अधिकांश बार उसे सफलता प्राप्त हुई। स्वदेशी जागरण मंच के कार्यों में तीसरा आयाम रचनात्मक कार्यों का रहा है। भारत के उद्योगों विशेष तौर पर लघु कुटीर उद्योगों और कारीगरों के हुनर को प्रोत्साहन हेतु स्वदेशी मेलों का आयोजन, लघु ऋणों की व्यवस्था सहित अनेकों प्रकार के रचनात्मक कार्यों में स्वदेशी जागरण मंच संलग्न रहा है। स्वतंत्रता के बाद, संघ का स्पष्ट अभिमत रहा कि आर्थिक स्वदेशी के बिना राजनीतिक स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं। संघ ने सदैव विकास के पश्चिमी मॉडलों पर अत्यधिक निर्भरता का विरोध किया और इस बात पर जोर दिया कि भारत को कृषि, लघु स्तरीय उद्योगों और समुदाय आधारित अर्थव्यवस्था में अपनी पारंपरिक शक्तियों का विकास करना चाहिए। हरित क्रांति और औद्योगीकरण के दौर में, संघ का अभिमत था कि विदेशी तकनीक और पूंजी पर अत्यधिक निर्भरता भारत की आत्मनिर्भरता को नुकसान पहुंचा सकती है। संघ का यह मत सही साबित हुआ, जब विदेशी पूंजी और तकनीक पर निर्भरता के कारण भारत के विकास का मार्ग अवरुद्ध होने लगा। 1991 में आर्थिक उदारीकरण के साथ, संघ की प्रेरणा से स्वदेशी जागरण मंच और स्वदेशी आंदोलन ने बहुराष्ट्रीय निगमों और वैश्वीकरण के माध्यम से आर्थिक उपनिवेशीकरण के खतरे के बारे में देशव्यापी जन जागरण अभियान को आगे बढ़ाया। स्वदेशी जागरण मंच के निम्नलिखित लक्ष्य रहे : 1. आत्मनिर्भर आर्थिक नीतियों को बढ़ावा देना। 2. अंधाधुंध विदेशी निवेश का विरोध। 3. खादी आधारित उद्योगों सहित लघु एवं कुटीर उद्योगों, कृषि को मजबूत करना। 4. किसानों, छोटे व्यापारियों और पारंपरिक व्यवसायों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा से बचाना। मंच ने लगातार विश्व व्यापार संगठन के समझौतों, खुदरा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और बौद्धिक संपदा व्यवस्थाओं के खिलाफ अभियान चलाया, जो भारत के हितों को नुकसान पहुंचाते थे। संघ ने स्वदेशी को न केवल एक आर्थिक विचार के रूप में, बल्कि एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विचार के रूप में भी व्यक्त किया। दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद (1965), जो संघ द्वारा समर्थित एक मौलिक दर्शन है, स्वदेशी को भारतीय लोकाचार में निहित समग्र मानव विकास से जोड़ता है।

मौत का कफ सिरप

'यह कोई पहला हादसा या त्रासदी नहीं है। 2022 में जांबिया में 70 बच्चों की मौत हो गई थी। भारतीय कंपनी के कफ सिरप को आरोपित किया गया। उज्बेकिस्तान में भी 65 बच्चे कफ सिरप पीने के बाद मर गए। भारतीय कंपनी को त्रासदी का जिम्मेदार माना गया। 2020 में जम्मू-कश्मीर में कफ सिरप पीने से 12 बच्चों की मौत हो गई थी। उस हादसे की फाइलें धूल फांक रही होंगी, क्योंकि उसके पांच साल बाद यह त्रासदी सामने आई है। यदि आप सोचेंगे कि इन त्रासदियों ने भारतीय व्यवस्था और अधिकारियों की आत्मा को झकझोर दिया होगा, तो आप गलत सोच रहे हैं। 1986 में मुंबई में 14 बच्चे मारे गए।'

कफ सिरप पीने से राजस्थान और मध्यप्रदेश में 18 बच्चों की मौत हो चुकी है। न जाने ऐसी कितनी मौतें हो चुकी हैं अथवा हो सकती हैं, क्योंकि ऐसी घटनाएं दर्ज भी कम होती हैं। कंपनियां कफ सिरप में जहरीला, रासायनिक यौगिक मिलाने से बाज आ जाएंगी, हम ऐसा नहीं मानते। बच्चों की मौत का सिलसिला 1937 से जारी है, जब अमरीका में कफ सिरप पीने से 105 जिंदगियां थम गई थीं। यह विश्व की ऐसी पहली त्रासदी थी। 1938 में अमरीका ने संबद्ध कानून को ही बदल दिया और कफ सिरप में डायएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) के इस्तेमाल पर ही रोक लगा दी। तब से कोई भी सामूहिक त्रासदी सामने नहीं आई है। बहरहाल आप सचेत रहें, डरने की जरूरत नहीं है। डॉक्टरों का कहना है और भारत सरकार ने भी परामर्श जारी किया है कि 5 साल की उम्र से कम बच्चों को खांसी-जुकाम का कोई भी सिरप न पिलाया जाए। पुरखों के घरेलू इलाज ज्यादा असरदार हैं। वैसे भी खांसी दो-तीन दिन में खुद ही ठीक हो जाती है। जिस कंपनी का कफ सिरप कोल्ड्रिफ पीकर बच्चों की मौत हुई है, सरकार ने तुरंत प्रभाव से उसे और कंपनी की अन्य 19 दवाओं को प्रतिबंधित कर दिया है। यह सवाल अभी सामने है कि न जाने कितनी कंपनियां अब भी कफ सिरप बनाने में डीईजी का इस्तेमाल कर रही हैं? यदि सरकार की एजेंसियां गंभीर होकर ऐसी कंपनियों की दवाओं का निरीक्षण करेंगी, तो हम त्रासदियों से बच सकेंगे! दरअसल डीईजी मीठे स्वाद वाला, रंगहीन, गंधहीन, तरल पदार्थ होता है। इसका उपयोग औद्योगिक सॉल्वेंट के तौर पर किया जाता है। दवाओं में इसके इस्तेमाल की भारत में भी सख्या मनाही है। यह पेंट, स्याही और कुछ प्लास्टिक के निर्माण में इस्तेमाल किया जाता है। दवा में कंपनियां मुनाफे के लिए प्रोपीलीन ग्लाइकॉल के साथ मिलावट के तौर पर डीईजी का इस्तेमाल करती हैं। प्रोपीलीन सुरक्षित है, लेकिन काफी महंगा है। डीईजी गुर्दे, यकृत, तंत्रिका तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचाता है। बच्चों में इसके शुरूआती लक्षण ये हैं कि उन्हें उल्टी, पेट दर्द और कम पेशाब की शिकायत होने लगती है।

अंततः गुर्दे फेल हो जाते हैं और मौत हो जाती है। यह कोई पहला हादसा या त्रासदी नहीं है। 2022 में जांबिया में 70 बच्चों की मौत हो गई थी। भारतीय कंपनी के कफ सिरप को आरोपित किया गया। उज्बेकिस्तान में भी 65 बच्चे कफ सिरप पीने के बाद मर गए। भारतीय कंपनी को त्रासदी का जिम्मेदार माना गया। 2020 में जम्मू-कश्मीर में कफ सिरप पीने से 12 बच्चों की मौत हो गई थी। उस हादसे की फाइलें धूल फांक रही होंगी, क्योंकि उसके पांच साल बाद यह त्रासदी सामने आई है। यदि आप सोचेंगे कि इन त्रासदियों ने भारतीय व्यवस्था और अधिकारियों की आत्मा को झकझोर दिया होगा, तो आप गलत सोच रहे हैं। 1986 में मुंबई में 14 बच्चे मारे गए। 1998 में करीब 150 बच्चे दिल्ली के कलावती सरन बाल अस्पताल में दाखिल कराए गए, सभी के गुर्दे गंभीर रूप से प्रभावित हुए थे, अंततः 33 की मौत हो गई। गुरुग्राम की एक कंपनी को हत्यारा आरोपित किया गया। दरअसल भारतीय फार्मा कंपनियों पर, जहरीले, दूषित कफ सिरप के कारण मासूमों की जान लेने के, निरंतर आरोप लगते रहे हैं। ऐसी वैश्विक बदनामी झेलने के बावजूद उन्होंने सबक नहीं सीखा अथवा उन्हें सरकार द्वारा बाध्य नहीं किया गया। तमिलनाडु और मप्र की जांच रपटें सामने आई हैं, जिनके निष्कर्ष हैं कि 46 फीसदी तक डीईजी का उपयोग किया गया, जबकि एक शीशी में 0.1 फीसदी मात्रा का ही आदेश और कानून है। भारत में कफ सिरप का 5.2 अरब डॉलर का बाजार है। अनुमान है कि 2032 तक यह बाजार 7 अरब डॉलर से अधिक का हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बार-बार डीईजी और ईजी को लेकर चेतावनी दी है। सरकारों से निगरानी बढ़ाने, घटिया दवाओं को हटाने या प्रतिबंधित करने और दवा आपूर्ति चेन पर कड़ी जांच करने के आग्रह किए गए हैं। उनके बावजूद यह त्रासदी हमारे सामने है। गौरतलब यह है कि ऐसी हरेक त्रासदी विदेशी बाजार में हमारी जेनेरिक दवाओं की प्रतिष्ठा को संदेहास्पद बनाती है। सरकार को भर-भर कर डॉलर चाहिए, लिहाजा ऐसी त्रासदियां कुछ दिनों के बाद अतीत बन जाती हैं। दवा के नाम पर जहर बनाना और बेचना, दोनों अपराध माने जाते हैं। इस मामले में ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए कि भविष्य में दोबारा ऐसी घटना न हो।

पिछला जन्म

ओशो

चिंतन-मनन

व्यर्थ की धारणा हमें सिखा दी गई है कि तुम्हें दुःखी होना ही पड़ेगा, क्योंकि पिछले जन्मों का कर्म तुम्हें भोगना है। यह धारणा अगर मन में बैठ गई कि मैं पिछले जन्मों के कर्मों को भोग रहा हूं तो सुख का उपाय कहां है? इतने- इतने जन्म! कितने-कितने जन्म! चौरासी कोटि योनियां! इनमें कितने पाप किए होंगे थोड़ा हिसाब तो लगाओ! इन सारे पापों का फल भोगना है। सुख हो कैसे सकता है! दुख स्वाभाविक मालूम होने लगेगा। ये आदमी को दुःखी रखने की ईजाद हैं। मैं तुमसे कहता हूं: कोई पाप नहीं किए हैं , कोई कर्म का फल नहीं भोगना है। तुम अभी जागे ही नहीं, तुम अभी हो ही नहीं, पाप क्या खाक करोगे! पाप बुद्ध कर सकते हैं, लेकिन बुद्ध पाप करते नहीं। अकबर की सवारी निकलती थी और एक आदमी अपने मकान की मुंडेर पर चढ़ गया और गालियां बकने लगा। सम्राट को गालियां! तत्क्षण पकड़ लिया गया। दूसरे दिन दरबार में मौजूद किया गया। अकबर ने पूछाः तू पागल है! क्या कह रहा था? क्यों कह रहा था? उसने कहा मुझे क्षमा करें, मैंने कुछ कहा ही नहीं। मैंने शराब पी ली थी। मैं बेहोश था। मैं था ही नहीं! अगर आप मुझे दंड देंगे, तो ठीक नहीं होगा, अन्याय हो जाएगा। मैं शराब पीए था। अकबर ने सोचा और उसने कहाः यह बात ठीक है; दोष शराब का था,दोष तेरा नहीं था। तू जा सकता है। मगर अब शराब मत पीना। शराब पीने का दोष तेरा था। शराब पीने के बाद जो कुछ तेरे मुंह से निकला, उसमें तेरा हाथ नहीं, यह बात सच है। आज भी अदालत पागल आदमी को छोड़ देती है अगर पागल सिद्ध हो जाए। क्यों? क्योंकि पागल आदमी का क्या दायित्व? किसी पागल ने किसी को गोली मार दी। अदालत क्षमा कर देती है अगर सिद्ध हो जाए कि पागल है। क्योंकि पागल आदमी को क्या दोष देना उसे होश ही नहीं है! तुम होश में रहे हो? ये जो चौरासी कोटि योनियां जिसके संबंध में तुम शास्त्रों में पढ़ते हो, तुम होश में थे? तुम्हें एकाध की भी याद है? अगर तुम होश में थं तो याद कहां है? तुम्हें एक बार भी तो याद नहीं आती कि तुम कभी वृक्ष थे कि तुम कभी एक पक्षी थे कि तुम कभी जंगल के सिंह थे। तुम्हें याद आती है कुछ? शास्त्र कहते हैं; तुम्हें याद नहीं।

आपके पत्र

महिला क्रिकेट टीम की उपलब्धियां

कभी-कभी लड़कियों के अच्छे और हौसले की ऐसी खबरें सुनने को मिलती हैं जो उनके हौसले के बारे में जानकर सभी दांतों तले अंगुली दबा लेते हैं। अभी हाल ही में एशिया कप और आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप में हमारे देश में लगातार चौथे रविवार को पाकिस्तान को हरा दिया। सारी दुनिया और पाकिस्तान इस बात को अच्छी तरह समझ गए होंगे कि हमारे देश की महिला क्रिकेट टीम किसी से कम नहीं है। महिला क्रिकेट टीम ने वर्ष 1976 में बैंगलोर के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में डेब्यू टेस्ट मैच वेस्टइंडीज के साथ खेला था।

हमारे देश की टीम ने पहली जीत पटना के स्टेडियम मोइन उल हक में वेस्टइंडीज को हराकर हासिल की थी। महिला टीम की और भी कई शानदार उपलब्धियां हैं।

मोनिका कुमार, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

वैदिक मंत्रोच्चार से मां गंगा का विधिवत पूजन कर मां गंगा की भव्य आरती

साहिबगंज : सोमवार को संध्या आश्विन मास, शुक्ल पक्ष,पूर्णिमा तिथि शरद पूर्णिमा के अवसर पर मां गंगा सेवा समिति,साहिबगंज की ओर से पूर्णिमा तिथि के अवसर पर साहिबगंज के स्थानीय मुक्तेश्वर धाम, सीढ़ी घाट,गंगा तट पर पुरोहित धनेश तिवारी और वेदानन्द पाण्डेय के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार से मां गंगा का विधिवत पूजन कर मां गंगा की भव्य आरती की गई। पुरा गंगा तट भक्तिमय माहौल के साथ हर हर गंगे,जय मां गंगे,हर हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।इस अवसर पर मां गंगा सेवा समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार पाण्डेय,शशि कुमार सुमन,संदीप अवस्थी,सिद्धार्थ कुमार,रोहित कुमार, सुरेश ओझा आदि सदस्यगण उपस्थित थे।

बाइक से गिरकर एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल पहुंचा अस्पताल

साहिबगंज : मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटा सोलबंदा निवासी राजेंद्र तुरी 18 का बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने आनन -फानन में इलाज हेतु सदर अस्पताल लाया।जहां ड्यूटी पर रहे डॉक्टर केशव कृष्णा के देख रेख में इलाज किया जा रहा है।परिजनों ने बताया कि युवक महादेव गंज अपने फुआ के घर से अपने घर छोटा सोलबंदा आ रहा था। मठिया के समीप संतुलन बिगड़ने से गिर गया और घायल हो गया।

सब्जी मंडी आदिया विजन गली के समीप किशोरी बेहोशी अवस्था में पड़ी मिली

साहिबगंज : बीते दिन दोपहर लगभग 12 बजे नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सब्जी मंडी आदिया विजन गली के समीप किशोरी बेहोशी अवस्था में पड़ी मिली स्थानीय लोगों एवं टाइगर मोबाइल के सिपाही सकीचंद यादव के सहयोग के किशोरी को इलाज हेतु सदर अस्पताल लाया। जहां ड्यूटी पर रहे डॉक्टर केशव कृष्णा के देख रेख में इलाज किया जा रहा है। वही किशोरी की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नया टिककर निवासी मोहम्मद आफताब की पुत्री 15 के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मामला प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार किशोरी अपने प्रेमी अंजुमन नगर निवासी से मिलने आई थी वही किशोरी ने बताया कि मेरे प्रेमी से बात नहीं हो रही थी काफी कॉल करने पर भी कॉल नहीं उठा पा रहा जिससे गुस्से में आकर घर से ही काफी संख्या दवा खाकर अपने प्रेमी से मिलने गई । वहां पहुंचने पर काफी कमजोरी आने लगी और बेहोश हो गई। वही परिजनों ने बताया कि किशोरी का छेका ढाई महीना पहले इसके प्रेमी से हुआ था उसके बाद लड़का की मां के द्वारा छेका तोड़ दिया गया लेकिन लड़का के द्वारा मेरी पुत्री से फोन पे बात होती थी वही सिद्धू कान्हु पार्क में मिलना जुलना भी होता था किशोरी के द्वारा बताया कि युवक के द्वारा हमलोग फिजिकल रिलेशन में भी आए है। वही नगर थाना पुलिस एवं मुफस्सिल थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई हैं।

कार्य को प्राथमिकता के आधार पर संपन्न कराने का आग्रह

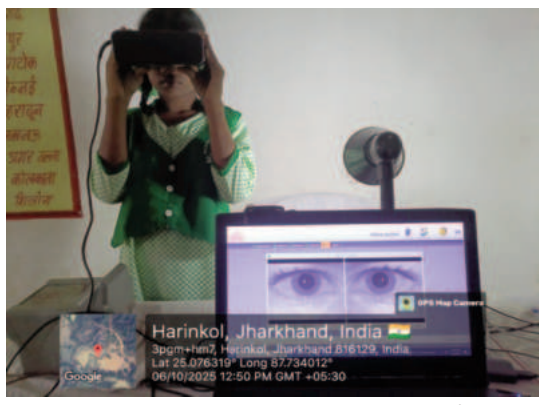

साहिबगंज : जिले में आधार में 5 से 7 वर्ष एवं 15 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट बड़ी संख्या में लंबित है। इस कार्य की सफलता सुनिश्चित करने हेतु जिला के विभिन्न उच्च विद्यालयों में विशेष आधार अपडेट शिविर का आयोजन किया गया।शिविर का आयोजन जिला परियोजना पदाधिकारी यूआईडी साहिबगंज श्री संदीप कुमार के देखरेख में किया गया। श्री कुमार ने स्पष्ट किया कि सभी बच्चे आधार बायोमेट्रिक अपडेट से जुड़ें, ताकि भविष्य में उन्हें किसी प्रकार की सरकारी योजना, छात्रवृत्ति या अन्य सुविधा प्राप्त करने में कठिनाई न हो। उन्होंने सभी ऑपरेटरों एवं संबंधित विभागीय पदाधिकारियों से इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर संपन्न कराने का आग्रह किया।

युवकों को प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है : प्रदीप

साहिबगंज : भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी जिले के शिक्षित बेरोजगार युवक युवतियाँ को कई तरह के प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का काम कर रही है।इसी के तहत 35 दिवसीय ब्यूटी पार्लर और 13 दिवसीय कॉस्टयूम ज्वैलरी उद्यमी आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करने जा रही है।जिसका रजिस्ट्रेशन आरसेटी मे शुरू हो गया है।जिसकी जानकारी आरसेटी के निदेशक प्रदीप कुमार झा दीपक ने दी।उन्होंने इच्छुक युवक युवतियाँ से जल्द से जल्द आरसेटी मे आकर रजिस्ट्रेशन कराने की अपील की है।ताकि जल्द ही प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जा सके।

अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस को पूरी तरह सतर्क रहने की जरूरत है : एसपी

मोटरसाइकिल की चोरी और घरों में चोरी पर रोक लगाने का विशेष निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज : पुलिस लाइन के पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित सभागार कक्ष में सोमवार को मासिक अपराध नियत्रंण गोष्ठी की बैठक हुई।इसकी अध्यक्षता पुलिस कप्तान अमित कुमार सिंह ने की।अपराध गोष्ठी में एसपी ने थाना प्रभारियों को संबोधित करते हुए अपराध नियंत्रण सम्बंधी टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस को पूरी तरह सतर्क रहने की जरूरत है।किसी भी हाल में कोताही नहीं बरतें।एसपी ने दीपालवी,काली पूजा व छठ पर्व को लेकर भीड़ से निपटने के लिए आवश्यक तैयारी करने, बैकअप प्लान तैयार करने,पूजा समितियों सदस्यों

की सूची तैयार करने, फूहड़ व धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला गाना नहीं बजाना सुनिश्चित कराने,पूजा पंडाल के इर्दगिर्द नशा उत्पादों पर रोक लगाने,मोटरसाइकिल की चोरी व घरों में चोरी पर रोक लगाने का विशेष निर्देश दिया।कहा कि रात्रि गश्ती पर विशेष फोकस करें।गश्ती के दौरान संदिग्ध लोगों की जांच करें।चौक, चैराहों व सन्नाटों में बेवजह खड़े लोगों से पूछताछ करें।हर गली मोहल्लों में पेट्रोलिंग करें।चोरी की घटना में संलिप्त पूर्व में रहे लोगों का डाटा तैयार कर उस पर नजर बनाए रखें।उन्होंने थाना में लंबित कांडों की समीक्षा करते हुए जल्द से जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया। एसपी ने लाल वारंटियों को गिरफ्तार करने, सुचारू रूप से वाहन जांच अभियान चलाने,अवैध लॉटरी,जुआ के अड्डे व गांजे जैसे अवैध कारोबार पर नकल कसने का निर्देश दिया।उन्होंने जेल से छूटने वाले लोगों को चिन्हित कर उन पर पैनी नजर बनाए रखने का निर्देश दिया।साथ ही लोगों से बेहतर तालमेल बनाने,थानों में उनकी समस्या सुनने, सूचना तंत्र को मजबूत बनाने,जमीनी विवाद पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।मौके में सदर एसडीपीओ, बरहरवा एसडीपीओ,राजमहल एसडीपीओ,सभी पुलिस निरीक्षक सहित जिले के सभी थाना प्रभारी मौजूद थे।

दृष्टि चटर्जी ने राज्यस्तरीय कला उत्सव में मारी बाजी, राष्ट्रीय स्तर के लिए हुई चयनित

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग और जेसीईआरटी के तत्वावधान में आयोजित राज्यस्तरीय कला उत्सव 2025 में साहिबगंज जिले की सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स, पोखरिया की कक्षा 12 की छात्रा दृष्टि चटर्जी ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा से सबका दिल जीत लिया। उन्होंने सोलो डांस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर साहिबगंज का मान बढ़ाया है। दृष्टि अब राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी।इस कला उत्सव में राज्य के 24 जिलों से लगभग 700 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने भाग लिया और संगीत, नृत्य, वादन, चित्रकला, पारंपरिक कथा वाचन एवं नाटक जैसी छह विधाओं में अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का उद्घाटन झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के अध्यक्ष श्री अजयनाथ शाहदेव द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कला और संस्कृति बच्चों के व्यक्तित्व विकास का आधार है, यह आत्मविश्वास और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करती है।दृष्टि चटर्जी की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर साहिबगंज जिला प्रशासन ने हर्ष व्यक्त किया है। उपायुक्त श्री हेमंत सती ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल विद्यालय बल्कि पूरे जिले के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दृष्टि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा से झारखंड का नाम रोशन करेंगी।विद्यालय की प्राचार्या एवं शिक्षकों ने भी दृष्टि की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया है। विद्यालय परिवार ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।साहिबगंज की यह सफलता जिले में कला संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में एक नई प्रेरणा लेकर आई है।

गतिविधियों से संतुष्ट न होने के कारण लड़कों को हिरासत में लिया

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार के नेतृत्व में रविवार को देर संध्या बरहरवा रेलवे स्टेशन पर मानव तस्करी और अन्य असामाजिक तत्वों के विरूद्ध चलाए गए अभियान के तहत बुकिंग ऑफिस बरहरवा के पास सकुर्लेटिंग एरिया के समीप दो नाबालिग लड़के संदिग्ध तरीके से खड़े देखा।जब आरपीएफ उसके पास गये तो वे डरे हुए थे।पूछताछने पर दोनों ने अपना ठिकाना राधा नगर थाना क्षेत्र बताया उन्होंने यह भी बताया कि पिता के डांटने पर दोनों घर से भाग कर गांव वाले के सहयोग से दूसरे राज्य काम करने की मकसद से जा रहे हैं।उनकी गतिविधियों से संतुष्ट न होने के कारण लड़को को हिरासत में लिया गया और बच्चों से उनके घरों का मोबाइल नंबर लेकर उनके घर वालो को सूचित किया गया।कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उक्त दोनों नाबालिग लड़को को बाल संरक्षण मंथन बरहरवा साहिबगंज की अनुराधा मंडल को सौंप दिया गया।उक्त कार्रवाई में मुख्य रूप से इंस्पेक्टर संजीव कुमार के अलावा एएसआई जे.के.दुबे कांस्टेबल अनिल कुमार साह, कांस्टेबल अजय कुमार सहित अन्य शामिल थे।

मजदूर हित और स्थानीय जनमुद्दे को लेकर गांवों में भ्रमण करना होगा : जीवन

संवाददाता

साहिबगंज : उधवा प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत मां मनसा मंदिर प्रांगण सुतियारपारा में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की बैठक प्रखंड अध्यक्ष जीवन कुमार घोष की अध्यक्षता में हुई। बैठक मे संगठन मजबूती को लेकर चर्चा हुई।बैठक मे मौजूद संघ के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव संगठन की प्रत्येक कार्यकताओं से जानकारी हासिल की और दिशा निर्देश दिए।उन्होंने कहा की संगठन को धारदार बनाने के लिए मजदूर हित एवं स्थानीय जनमुद्दे को लेकर पंचायत के गांव में भ्रमण करना होगा।इस गांव की लंबी अवधि से भूमिहीन मजदूर निवास करते आ रहे हैं दूसरे राज्य में पलायन करके अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं कहा कि भूमिहीन मजदूरों को अभियान चलाकर बंदोबस्त करने की मांग जिला प्रशासन से की जाएगी।बैठक में चर्चा हुई की मजदूर उधवा ,राजमहल प्रखंड से काफी संख्या में दूसरे राज्य में पलायन करते हैं,पत्थर उद्योग क्षेत्र में न्यूनतम मजदूरी नहीं दिया जाता है,जिसे संघ ने नाराजगी जाहिर की है। बैठक मे फूल कुमारी,रूपचंद राय, मानिक राय, रामचंद्र राय, राजकुमार राय,मंजू देवी, कुसमी देवी,उत्तरा देवी, गोवर्धन राय सहित अन्य लोग मौजूद थे।

गांवों में लोगों को सभी प्रकार के स्वास्थ्य जांच और स्थल पर ही दवा वितरण

संवाददाता

साहिबगंज :डॉङ्क रामदेव पासवान सिविल सर्जन साहिबगंज के आदेशानुसार अनुमण्डलीय अस्पताल राजमहल के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर जामनगर दाहू टोला में डॉङ्क उदय टुडू उपाधीक्षक अनुमण्डलीय अस्पताल राजमहल के नेतृत्व में एकीकृत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे उक्त गाँवों में लोगों को सभी प्रकार के स्वास्थ्य जांच और स्थल पर ही दवा वितरण किया गया।इस स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों को एनसीडी स्क्रीनिंग, बीपी, शुगर, सिकल सेल एनीमिया, मलेरिया, कालाजार, फाईलेरिया, यक्ष्मा, टीकाकरण, एचआईवी, सिफलिस व अन्य सभी प्रकार के स्वास्थ्य जांच किया गया। साथ ही साथ स्थल पर ही आभा कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड भी बनाया गया। इस मौके पर डॉङ्क सत्ती बाबू डबडा जिला भीबीडी सलाहकार, डॉङ्क अंकित कुमार, डॉङ्क विद्या भूषण कुमार, स्वीट कुमारी एआरटी सेंटर, मनीष टुडू केटीएस, संजय यादव एसटीएस, अनु कुमारी सीएच ओ सोनम कुमारी फार्मासिस्ट एमपीडब्ल्यू, ,सहिया साथी, सहिया आदि सभी स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

सहयोग करें उपकार नहीं संसार परमात्मा की बढ़िया से परिपूर्ण रचना है : महंत रामानंद

संवाददाता

साहिबगंज : अश्विनी मास शरद पूर्णिमा पर कबीर आश्रम में एक दिवसीय सत्संग और भंडारा का आयोजन किया गया।इसमें आसपास के राज्यों से श्रोता वक्त महात्मा संत और साध्वी ने हिस्सा लिया।और जीवन जीने का तरीका कैसा होना चाहिए इसके बारे में संत महंत और साध्वी ने भक्ति के रूप में श्रोताओं को वक्त दिया।कहा की सहयोग करें उपकार नहीं संसार परमात्मा की बढ़िया से परिपूर्ण रचना है कोई शक्तिशाली कोई निर्बल है कोई धनवान कोई निर्धन है कोई ज्ञानी है कोई अज्ञानी है अधिकांश धर्म ग्रंथ इसे अपने कर्मों का फल मानते हैं यह भी सत्य है कि परमात्मा दयालु है सभी उसकी संतान है अपनी संतान को कोई कैसे दुख में देख सकता है या विभिन्न नेता कैसे रख सकता है यह भी दुर्वसत्य है कि परमात्मा न्याय प्रिय है अपने न्याय के अंतर्गत ही उसने किसी को राजा किसी को रंग बनाया है परमात्मा ने इस सृष्टि में अद्भुत सामान्य स्थापित किया है परमात्मा किसी को दुख सुख नहीं देता मनुष्य अपने कर्मों के अनुसार दुख सुख पाता है मनुष्य स्वयं ही अपने भाग्य को लिखना है भाग्य विधाता मैं स्वयं हूं मैं अपने भाग को स्वयं

लिखता हूं और मुक्ति के युक्ति को जानने के लिए गुरु के शरण में जाकर गुरु आज्ञा के मुताबिक आपको दिशा मार्ग दिया जा सकता है गू माने अंधकार रूम आने प्रकाश आपको अंधकार से प्रकाश और युक्ति से मुक्ति तक पहुंचाने का एकमात्र गुरुदेव है आज का सत्संग का मुख्य वक्ता के रूप में साध्वी जोगमाया जो कि महंत के पद पर बृजभान होकर सभी को दिशा मार्ग देते हैं। मौके पर साध्वी आरती,महंत रामानंद,महंत गोपाल, नकुल दास,संत वेद आनंद,संत गणेश, संत किशोर,संत रामचंद्र,संत रामलाल, संत सुरेश दास,कबीर आश्रम के महंत दिनेश साहब,व्यवस्थापक महंत शंकर दास सहित कई संत मौजूद थे।

स्टार गोल्ड पर आ रही है हाउसफुल 5, डिलीट सीन्स भी दिखाए जाएंगे

हाउसफुल 5 का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर स्टार गोल्ड पर 11 अक्तूबर शनिवार को रात आठ बजे होगा। स्टार गोल्ड इस त्योहारी सीजन अपने दर्शकों के लिए हाउसफुल 5 लेकर आ रहा है। साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित और तरुण मंसुखानी द्वारा निर्देशित यह फिल्म हंसी और गलतफहमियों से भरी एक क्रूज-आधारित थ्रिलर है। इस फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, कृति सैनन और पूजा हेगड़े जैसे बड़े कलाकार हैं। प्रीमियर में फिल्म के साथ-साथ एक्सक्लूसिव इंटरव्यू और पहली बार दिखाए जाने वाले डिलीटेड सीन्स भी शामिल होंगे। अक्षय कुमार ने कहा कि हाउसफुल फिल्में हमेशा पूरे परिवार को एक साथ हंसाने का काम करती हैं, और मैं उत्साहित हूं कि यह फिल्म 11 अक्तूबर को प्रसारित हो रही है।

ऐश्वर्या राय ने शेयर कीं पेरिस फैशन वीक की खूबसूरत तस्वीरें

हॉलीवुड सितारों के बीच 'बच्चन बहू' ने जमाई धाक

बॉलीवुड की खूबसूरत और एलीगेंट एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन ने एक बार फिर अपने ग्लैमरस अंदाज से दुनिया भर के फैंस का दिल जीत लिया है। हाल ही में एक्ट्रेस ने पेरिस फैशन वीक 2025 में शिरकत की और इस खास मौके की कुछ शानदार तस्वीरें अब उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कीं हैं।

ऐश्वर्या राय बच्चन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो एक्सक्लूसिव बैकस्टेज ग्रुप फोटोज शेयर कीं, जिनमें हॉलीवुड और फैशन इंडस्ट्री की कई मशहूर हस्तियां नजर आईं। पहली तस्वीर में ऐश्वर्या ब्लैक आउटफिट में बेहद स्टाइलिश नजर आईं। उनके साथ हेडी क्लम, वियोला डेविस, केंडल जेनर, एले फैनिंग, ईवा लोंगोरिया, एंडी मैकडॉवेल, सिंडी क्रॉफर्ड, लूमा ग्रोथ और अजा नाओमी किंग जैसी जानी-मानी हस्तियां भी दिखीं।

दूसरी तस्वीर में सभी सितारे एक खूबसूरत सीढ़ी पर पोज दे रहे हैं। इस फोटो में भी ऐश्वर्या ग्लैमरस अवतार में सबका ध्यान अपनी ओर खींचती दिखीं। इस फोटो में कैमिला कैबेलो, वियोला डेविस, एंडी मैकडॉवेल, हेडी क्लम, ईवा लोंगोरिया, एले फैनिंग, सिंडी क्रॉफर्ड, लूमा ग्रोथ और अजा नाओमी किंग भी शामिल थीं। इन तस्वीरों के साथ ऐश्वर्या ने लिखा, मेरे प्यारे परिवार के साथ चमकते हुए

इस साल ऐश्वर्या राय ने डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के कलेक्शन से तैयार एक खूबसूरत हीरों से सजी ड्रेस पहनी थी, जिसमें वे बला की खूबसूरत लगीं।

24 को ओटीटी पर आएगी परम सुंदरी

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर स्टारर फिल्म परम सुंदरी को ऑडियंस से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। अब ये फिल्म ओटीटी प्लेटफार्म पर दस्तक देने के लिए तैयार है। रिपोर्ट के मुताबिक सिद्धार्थ और जाह्नवी की फिल्म परम सुंदरी 24 अक्तूबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज की जा सकती है। माना जा रहा है दिवाली के बाद ये फिल्म ओटीटी पर धमाका कर सकती है। परम सुंदरी की कहानी की बात करें तो ये एक अनोखी लव स्टोरी है। परम के किरदार में पंजाबी सिद्धार्थ यानी परम को केरल की सुंदरी से प्यार हो जाता है।

कंतारा: चैप्टर 1 के मुरीद हुए डायरेक्टर सुकुमार

पुष्पा जैसी ब्लॉकबस्टर हिट फिल्मों के निर्देशन के लिए प्रसिद्ध फिल्म निमार्ता सुकुमार ने हाल ही में सोशल मीडिया पर बहुप्रतीक्षित फिल्म कंतारा: चैप्टर 1 के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की। ऋषभ शेट्टी द्वारा निर्देशित और अभिनीत यह फिल्म अपनी गहन कहानी, जमीनी विषयों और शक्तिशाली दृश्यों के लिए भारतीय फिल्म उद्योग में चर्चा का विषय बनी हुई है। सुकुमार ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक भावुक संदेश साझा किया, जिसमें उन्होंने फिल्म की कलात्मक प्रतिभा और टीम के जोशीले प्रयास की प्रशंसा की। उनकी पोस्ट में लिखा था: आपने कितनी प्रभावशाली और मनोरम कहानी को जीवंत कर दिया है । इस फिल्म के पीछे की रचनात्मकता, जुनून और समर्पण मुझे सचमुच बहुत पसंद आया। पूरी टीम को बधाई।

होम्बले फिल्म्स के बैनर तले विजय किरागंदूर द्वारा निर्मित, कांतारा: चैप्टर 1 में ऋषभ शेट्टी और रुक्मिणी वसंत मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 2022 की हिट कंटारा का प्रीक्वल है और कर्नाटक की तटीय परंपराओं में निहित रहस्यमय लोककथाओं और दिव्य किंवदंतियों की गहराई से पड़ताल करती है। कंतारा: चैप्टर 1 चौथी शताब्दी ईस्वी में घटित होता है, जो कंतारा की

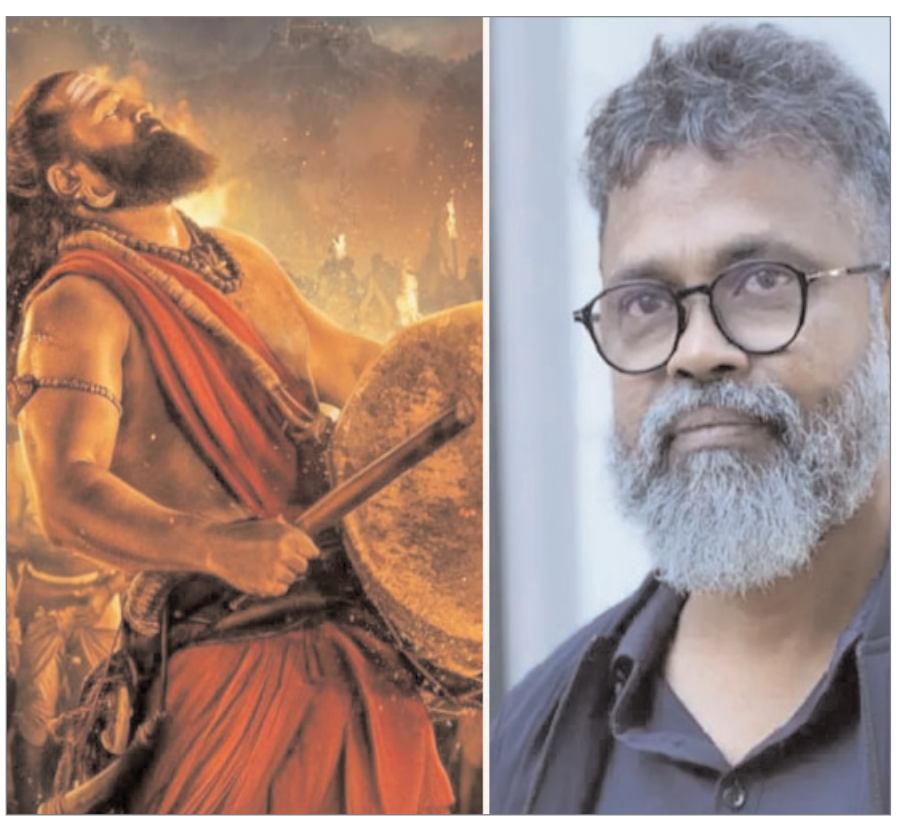

रहस्यमयी भूमि के पवित्र उद्गम को उजागर करता है। यह अध्याय इसकी समृद्ध पौराणिक कथाओं, सदियों पुराने संघर्षों और दैवीय हस्तक्षेपों की गहराई में उतरता है, और लोककथाओं, आस्था और अग्नि की एक गाथा बुनता है, जो इसी धरती की मिट्टी से उपजी है। इस फिल्म में ऋषभ शेट्टी, सप्तमी गौड़ा, गुलशन देवैया, रुक्मिणी वसंत, जयराम, पीडी सतीश चंद्रा, प्रकाश थुमिनाद और कई प्रतिभाशाली कलाकार इस महाकाव्य कथा को जीवंत रूप से प्रस्तुत करते हैं। कंतारा: चैप्टर 1 का लेखन, निर्देशन और मुख्य भूमिका ऋषभ शेट्टी ने की है; फिल्म का निर्माण विजय किरागंदूर ने प्रतिष्ठित होम्बले फिल्म्स बैनर तले किया है। फिल्म में अरविंद एस. कश्यप ने छायांकन और बी. अजनीश लोकनाथ ने संगीत दिया है, दोनों ने मूल फिल्म की जादुई दुनिया को रचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कंतारा: चैप्टर 1 दुनिया भर में 2 अक्टूबर, 2025 को रिलीज हुई है।

अरबाज खान और शूरा खान की लाडली से मिलने पहुंचे सलमान खान

खान परिवार के लिए खुशियों का माहौल है। एक्टर और फिल्ममेकर अरबाज खान और उनकी पत्नी शूरा खान के घर नन्हीं परी ने जन्म लिया है। यह खुशखबरी सामने आते ही पूरा खान परिवार खुशी से झूम उठा है। फैमिली मेंबर्स लगातार नन्ही परी और शूरा खान को हॉस्पिटल में मिलने जा रहे हैं। इसी बीच सुपरस्टार सलमान खान भी अपनी भतीजी से मिलने मुंबई के हिंदुजा अस्पताल पहुंचे, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

सामने आए वीडियो में सलमान खान को अस्पताल में एंट्री करते हुए देखा जा सकता है। गाड़ी से उतरते ही सलमान ने मीडिया की ओर हाथ हिलाया और मुस्कुराते हुए पोज दिए। ताऊ बनने की खुशी उनके चेहरे पर साफ झलक रही थी।

सलमान खान हमेशा की तरह इस बार भी कड़ी सुरक्षा के बीच अस्पताल पहुंचे। उनके साथ पुलिसकर्मी और निजी सिक्योरिटी टीम भी मौजूद थी।

सलमान से पहले खान परिवार की वरिष्ठ सदस्य सलमा खान और हेलेन भी अस्पताल पहुंचीं। दोनों ने नन्हीं सदस्य से मुलाकात कर उसे आशीर्वाद दिया। इसके अलावा, अरहान खान (अरबाज और मलाइका अरोड़ा के बेटे) भी अपनी छोटी बहन से मिलने अस्पताल पहुंचे।

रणजी ट्रॉफी से वापसी कर सकते हैं पंत, रोहन जेटली से जताई इच्छा

बंगलुरु: चोट के कारण टीम इंडिया से बाहर चल रहे विकेटकीपर ऋषभ पंत रणजी ट्रॉफी से कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। हालांकि, यह उनकी फिटनेस पर निर्भर करता है। एक रिपोर्ट में दावा किया है कि पंत ने डीडीसीए के प्रेजिडेंट रोहन जेटली से रणजी ट्रॉफी खेलने की इच्छा जताई है। उन्होंने जेटली से कहा है कि उन्हें 25 अक्तूबर से दिल्ली में होने वाले मैच तक फिट हो जाना चाहिए। हालांकि, पंत को बीसीसीआई की मेडिकल टीम से क्लीयरेंस लेना होगा। ऋषभ पंत अपनी इंजरी के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी दो मैचों की टेस्ट टीम से बाहर हैं। इसी हफ्ते निरीक्षण: 28 साल के ऋषभ वर्तमान में बंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी में रिहैब कर रहे हैं। उनकी फिटनेस पर सेंटर के सूत्र ने कहा, अभी तक संभावना यही है कि 10 अक्तूबर तक उन्हें क्लीन चिट मिल जाएगी। इसी हफ्ते उनका निरीक्षण होगा।

भारत-पाक मैच अब बंद करो, एशिया कप के विवादों के बाद उठी मांग, आईसीसी लेगा फैसला

नई दिल्ली: एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के मैचों के चलते खूब बवाल मचा। दोनों टीमें जब भी एक-दूसरे के सामने आईं, तो कभी खिलाड़ी और कभी फैंस की टकरार होती रही। इससे दुनियाभर में काफी बातें हुईं और दोनों ही देशों की जमकर आलोचना भी हुई। अब पूर्व इंग्लैंड कप्तान माइकल एथरटन ने आईसीसी को भारत और पाक के बीच मैचों को व्यवस्थित करने पर फिर से विचार करने की सलाह दी है। यह सलाह हाल ही में संपन्न हुए एशिया कप के बाद आई है। टूर्नामेंट के दौरान दोनों देशों के बीच बढ़े तनाव और खराब संबंधों के कारण यह मुद्दा

उठा है। इसमें खिलाड़ियों के बीच हाथ न मिलाना, भड़काऊ हावभाव और ट्रॉफी लेने से इनकार करना जैसी घटनाएं शामिल हैं। एथरटन का मानना है कि क्रिकेट अब कूटनीति का माध्यम नहीं रहा, बल्कि यह व्यापक तनावों का एक जरिया बन गया है। उन्होंने आर्थिक लाभ के लिए मैचों को जानबूझकर तय करने की प्रथा को खत्म करने और भविष्य के आईसीसी आयोजनों के लिए पारदर्शी फिक्स्चर ड्रॉ रखने का सुझाव दिया। एशिया कप 28 सितंबर को खत्म हुआ था।

इसमें भारत ने पाक को फाइनल में हराया था। मगर यह टूर्नामेंट कई गलत कारणों से हमेशा याद रखा जाएगा। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों टीमों के बीच मैदान पर भी तनाव साफ दिखा। एथरटन ने बताया कि आईसीसी आयोजनों में भारत और पाक के बीच मैच तय करने के आर्थिक और कूटनीतिक कारण हो सकते हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि इस प्रथा को खत्म किया जाए। उनका मानना है कि दोनों देशों के बीच संबंध लगातार बिगड़ रहे हैं। इसलिए इस तरह के मैचों को जानबूझकर आयोजित करना ठीक नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

रायबरेली में हुई इंसानियत की हत्या : राहुल

नई दिल्ली: कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के रायबरेली में दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की पीट-पीटकर मार डालने की घटना को इंसानियत की हत्या करार दिया है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्ल पर मंगलवार को इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि रायबरेली में दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की निर्मम हत्या सिर्फ.एक इंसान की नहीं- इंसानियत, संविधान और न्याय की हत्या है। आज भारत में दलित, आदिवासी, मुसलमान, पिछड़े और गरीब-हर उस व्यक्ति को निशाना बनाया जा रहा है, जिसकी आवाज कमजोर है, जिसकी हिस्सेदारी छीनी जा रही है और जिसकी ज़िंदगी सस्ती समझी जाती है।

उन्होंने कहा कि देश में नफरत, हिंसा और भीड़तंत्र को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है, जहां संविधान की जगह बुलडोजर ने ले ली है, और इंसाफ की जगह डर ने। मैं हरिओम के परिवार के साथ खड़ा हूं, उन्हें न्याय जरूर मिलेगा। भारत का भविष्य समानता और मानवता पर टिका है और यह देश चलेगा संविधान से, भीड़ की सनक से नहीं। श्री गांधी इस घटना की पहले भी कड़ी निंदा कर चुके हैं और आज वाल्मीकि जयंती पर उन्होंने दोबारा इसे इंसानियत की हत्या बता कर जता दिया है कि कांग्रेस पहले से ही दलितों पर अत्याचार के खिलाफ चल रहे अपने अभियान को और तेज करेगी। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा श्री गांधी ने वाल्मीकि जयंती पर आज इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए देश भर में इसके खिलाफ मिलकर लड़ाई लड़ने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर के सपनों का भारत और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के वैष्णव जन का भारत सामाजिक न्याय, समानता और संवेदना का भारत है, जिसमें ऐसे अपराधों के लिए कोई स्थान नहीं है। मानवता ही एकमात्र रास्ता है। कांग्रेस समाज के वंचित और कमजोर तबकों के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में दलित, अल्पसंख्यक और गरीब के खिलाफ अपराधों की घटनायें बहुत ज्यादा बढ़ चुकी हैं। यह हिंसा सबसे अधिक उन्हीं पर होती है, जो वंचित हैं, बहुजन हैं, जिनकी न पर्याप्त हिस्सेदारी है, न प्रतिनिधित्व है।

आईएनएस आंद्रोत नौसेना में शामिल, उथले पानी में भी दुश्मन के सबमरीन अटैक को रोकेगा

विशाखापट्टनम: भारतीय नौसेना ने सोमवार को अपने दूसरे एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट आईएनएस आंद्रोत को फ्लीट में शामिल किया। यह समारोह विशाखापट्टनम नौसैनिक डॉकयार्ड में हुआ। इसकी अध्यक्षता वाइस एडमिरल राजेश पेंढरकर, ईस्टर्न नेवल कमांड के चीफ ने की। आईएनएस आंद्रोत का निर्माण भारतीय शिपयार्ड कंपनी कोलकाता की गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने किया है। इसके निर्माण में 80 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। इस जहाज से नौसेना की पनडुब्बी हमला रोकने की क्षमता मजबूत होगी।

सबसे ज्यादा फायदा तटीय इलाकों में होगा, क्योंकि इसे कम पानी में एक्शन लेने के लिए डिजाइन किया गया है। आंद्रोत नाम लक्षद्वीप के सबसे बड़े द्वीप अंन्द्रोत से लिया गया है। यह द्वीप अपनी खूबसूरती और सांस्कृतिक महत्त्व के लिए भी जाना जाता है। बता दें कि बीते कुछ समय में नौसेना ने कई एडवांस जहाज अपनी फ्लीट में शामिल किए हैं। इनमें अनार्ला, निस्तार, उदयगिरि, नीलगिरि शामिल हैं। ये सभी जहाज देश की आत्मनिर्भर भारत की भावना को दशार्ते हैं।

हमास के साथ शांति प्रक्रिया में एव की गैरमौजूदगी पर भड़के नेतन्याहू, बोले-आतंकवाद के आगे झुका यूरोप

नई दिल्ली: इजरायल पर हुए कायरतापूर्ण हमले को आज दो साल हो गए। दो साल से जारी इस संघर्ष को रोकने के लिए मिस्र में दोनों पक्षों के बीच वार्ता हुई, जहां हमास ने बंधकों-कैदियों की अदला-बदली के लिए कुछ शर्तें रखी हैं। दूसरी ओर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सीजफायर प्लान में यूरोपीय संघ की स्पष्ट अनुपस्थिति की कड़ी आलोचना की।

हमास और इजरायल के प्रतिनिधिमंडल ने मिस्र में सोमवार को एक बैठक की। हमास ने शर्त रखी है कि इजरायली सेना को इससे पहले जनवरी में हुए सीजफायर डील के अनुसार गाजा के आबादी वाले इलाकों से हटकर अपने पूर्व ठिकानों पर वापस लौटना होगा। इसके अलावा, इजरायली वायुसेना द्वारा प्रतिदिन कम से कम 10 घंटे तक लड़ाकू विमानों और ड्रोन की उड़ानों पर रोक लगाकर रखी जाए। वहीं, हमास ने मांग की है कि बंदियों की रिहाई के दिन 12 घंटे तक ड्रोन या विमान न उड़ाए जाएं।

इजरायली पीएम नेतन्याहू ने आरोप लगाया है कि गाजा में संघर्ष खत्म करने के लिए जो भी प्रक्रियाएं चल रही हैं, उसमें यूरोपीय संघ पूरी तरह से अनुपस्थित है। विदेशी मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि यूरोप मूल रूप से फिलिस्तीनी आतंकवाद और कट्टरपंथी इस्लामी अल्पसंख्यकों के आगे झुक गया है।

नेतन्याहू ने कहा, यूरोप अनिवार्य रूप से अप्रासंगिक हो गया है और उसने भारी कमजोरी दिखाई। जो यूरोपीय संघ को करना था, वह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कर रहे हैं, जिससे उन आतंकवादी तत्वों का सफाया होगा।

इजरायली पीएम ने यूरोपीय संघ के 27 सदस्य देशों में से 15 द्वारा फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने के निर्णय की आलोचना की और इस निर्णय पर फिर से विचार करने की उम्मीद जताई।

न्नेतन्याहू ने कहा, कल्पना कीजिए कि 9/11 के बाद लोग कहेंगे, ठीक है, अब (इस्लामी आतंकवादी नेता ओसामा) बिन लादेन और अल-कायदा को राज्य दे दिया जाए। हम न केवल उन्हें एक राज्य देंगे, बल्कि वह न्यूयॉर्क से एक मील दूर होगा, जैसा कि वे सुझा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे शांति को बढ़ावा नहीं मिलेगा। पहले आपके पास ताकत होगी, फिर आपके पास शांति होगी।

उन्होंने कहा, अब ये यूरोपीय नेता क्या कह रहे हैं? आइए इजरायल को इस हद तक कमजोर कर दें कि वह अपने अस्तित्व के लिए एक और फिलिस्तीनी राज्य के खिलाफ लड़े। इस बार यरुशलम के बाहरी इलाके में नहीं, बल्कि यरुशलम के भीतर और तेल अवीव की पहाड़ियों के ठीक ऊपर। यह बेतुका है।

सीजेआई बीआर गवई पर भरी अदालत में जूता फेंकने की कोशिश

नई दिल्ली: देश के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर सोमवार को जूता फेंकने की कोशिश की गई है। यह वाकया सोमवार को शीर्ष अदालत के परिसर में ही हुआ, जब चीफ जस्टिस एक केस की सुनवाई कर रहे थे। इस घटना को एक 60 वर्षीय वकील ने ही अंजाम देने की कोशिश की, जिसका नाम राकेश किशोर बताया जा रहा है। हमला करने वाला वकील इस दौरान नारा लगा रहा था कि सनातन धर्म का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। अदालत में मौजूद सुरक्षाकर्मी हरकत में आए और तुरंत ही शख्स को पकड़ लिया। पुलिस ने वकील को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। इस मामले में चीफ जस्टिस बीआर गवई का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मुझे ऐसी चीजों से फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि मैं ऐसा आखिरी व्यक्ति हूं, जिसे इस तरह की चीजों का सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही वह उस मामले की सुनवाई में जुट गए, जिस केस को वह सुन रहे थे। फिलहाल पूछताछ की जा रही है कि आखिर उसने चीफ जस्टिस की ओर जूता क्यों उछालने का प्रयास किया।

बताया जा रहा है कि आरोपी वकील राकेश किशोर कुमार का सुप्रीम कोर्ट बार में रजिस्ट्रेशन 2011 का है। माना जा रहा है कि वकील सीजेआई गवई की मध्य प्रदेश के खजुराहो में भगवान विष्णु की सात फुट ऊंची सिर कटी मूर्ति की पुनर्स्थापना पर की गई टिप्पणियों से नाराज था। सीजेआई ने 16 सितंबर को खंडित मूर्ति की बहाली की मांग वाली याचिका खारिज करते हुए कहा था कि जाओ और भगवान से खुद करने को कहो। तुम कहते हो भगवान विष्णु के कट्टर भक्त हो, जाओ उनसे प्रार्थना करो। उधर, सौजेआई पर जूता फेंकने की कोशिश करने वाला वकील राकेश किशोर को बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन के दौरान उन्हें किसी भी न्यायालय, ट्रिब्यूनल या अधिकरण में पेश होने, वकालत करने या पैरवी करने की अनुमति नहीं होगी। बीसीआई ने आरोपी वकील का लाइसेंस रद्द कर दिया है। आरोपी वकील के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाएगी। इसके तहत उन्हें 15 दिन के भीतर यह बताने का नोटिस जारी किया जाएगा कि क्यों यह कार्रवाई जारी नहीं रखी जानी चाहिए। नोटिस के जवाब और मामले की जांच के आधार पर काउंसिल उचित और आवश्यक आदेश पारित करेगी।

सीजेआई पर हमले से विपक्ष आगबबूला

सोनिया गांधी ने की निंदा; कहा, यह संविधान पर हमले जैसा, पवार ने भी घेरा

नई दिल्ली: भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर सुप्रीम कोर्ट के अंदर हुए हमले की विपक्षी दलों ने आलोचना की है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर हमला सिर्फ उन पर ही नहीं, बल्कि संविधान पर भी हमला है। सोनिया गांधी ने एक बयान में कहा कि सर्वोच्च न्यायालय में भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश पर हुए हमले की निंदा करने के लिए कोई भी शब्द पर्याप्त नहीं है। यह न केवल उन पर, बल्कि हमारे संविधान पर भी हमला है। मुख्य न्यायाधीश गवई बहुत दयालु रहे हैं, लेकिन पूरे देश को गहरी पीड़ा और आक्रोश के साथ उनके साथ एकजुटता से खड़ा होना चाहिए।

बता दें सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक वकील ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर जूते फेंकने की कोशिश की। एक नाटकीय घटनाक्रम में राकेश किशोर नाम के वकील ने जूते फेंकने की असफल कोशिश की। जब उन्होंने डाइस की ओर बढ़ने की कोशिश की तो सुरक्षाकर्मी तुरंत हरकत में आ गए और उन्हें कोर्ट रूम से बाहर ले गए। जब वकील को ले जाया जा रहा था तो उन्हें यह कहते सुना गया, सनातन का अपमान नहीं सहेंगे। कथित तौर पर वह भगवान विष्णु की मूर्ति की पुनर्स्थापना पर पिछले दिनों सीजेआई की टिप्पणी से नाखुश थे।

न्यायपालिका की सुरक्षा सर्वोपरिः कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सीजेआई पर हमले की निंदा करते हुए इसे शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि यह नासमझी भरा कृत्य दशार्ता है कि समाज में नफरत और कट्टरता किस कदर व्याप्त है। सोशल मीडिया पोस्ट में खरगे ने लिखा, यह शर्मनाक और घृणित है। यह हमारी न्यायपालिका और कानून के शासन की गरिमा पर हमला है। यह एक ऐसे व्यक्ति को धमकाने और अपमानित करने के प्रयास को दशार्ता है जिसने संविधान की रक्षा के लिए सामाजिक बाधाओं को तोड़ा है। कांग्रेस की ओर से, मैं इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। हमारी न्यायपालिका की सुरक्षा सर्वोपरि है। न्याय और तर्क की जीत हो, धमकी की नहीं।

गंभीर खतरे को उजागर कर रही सांप्रदायिक कट्टरताः केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे संघ परिवार की ओर से फैलाई जा रही नफरत का प्रतिबिंब करार दिया। इसे खतरनाक बताते हुए, विजयन ने कहा कि इसे एक व्यक्तिगत कृत्य बताकर खारिज करना असहिष्णुता के बढ़ते माहौल की अनदेखी होगी। जब सांप्रदायिक कट्टरता सीजेआई तक को निशाना बनाने की हिम्मत करती है, तो यह इस विभाजनकारी और जहरीली राजनीति के गंभीर खतरे को उजागर करता है, जिसका बिना किसी हिचकिचाहट के सामना किया जाना चाहिए।

सीजेआई पर हमला राष्ट्र का अपमानः राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने सोमवार को अदालती कार्यवाही के दौरान भारत के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई पर हमले के कथित प्रयास की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह न केवल न्यायपालिका पर हमला है, बल्कि संविधान का भी गंभीर अपमान है। उन्होंने कहा, न्यायपालिका लोकतंत्र और संविधान के मूल्यों को बनाए रखने के लिए है। न्याय की सर्वोच्च संस्था (उच्चतम न्यायालय) में भारत के प्रधान न्यायाधीश पर हमला करने का प्रयास न केवल न्यायपालिका पर हमला है, बल्कि हमारे लोकतंत्र, हमारे संविधान और हमारे राष्ट्र का गंभीर अपमान है।

सोशल मीडिया पर बढ़ा विवादः वकील राकेश किशोर जिस टिप्पणी से नाराज थे, वह 16 सितंबर को एक मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई गवई ने की थी। मध्य प्रदेश के खजुराहो मंदिर परिसर में भगवान विष्णु की मूर्ति के पुनर्निर्माण और पुनः स्थापित करने की मांग को लेकर दायर याचिका को खारिज करते हुए उन्होंने कहा था कि आप कहते हैं कि आप भगवान विष्णु के बड़े भक्त हैं। आप उन्हीं से प्रार्थना कीजिए कि वह कुछ करें। उन्होंने यह भी कहा था कि यह स्थल पुरातत्व विभाग के संरक्षण में है, इसलिए बहाली से पहले विभाग की अनुमति जरूरी है। सीजेआई की इस टिप्पणी पर सोशल मीडिया पर बड़ा विवाद हुआ। इसके बाद उन्होंने खुली अदालत में सफाई देते हुए कहा कि उनका किसी धर्म का अपमान करने का इरादा नहीं था। उन्होंने कहा कि मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं, यह विवाद सोशल मीडिया पर पैदा हुआ है।

ममता ने बाढ़ के लिए केंद्र को ठहराया दोषी, बोलीं-

बांधों की पानी रोकने की क्षमता बढ़ाई होती, तो नहीं होती तबाही

- मृतकों के परिवार को पांच- पांच लाख मुआवजा, होमगार्ड की नौकरी देगी सरकार
- दार्जिलिंग में अब तक 28 लोगों की मौत, कई लापता

एजेंसी/कोलकाता: दार्जिलिंग में विनाशकारी बारिश और भूस्खलन से कम से कम 28 लोगों की मौत हो चुकी है। मिरिक और दार्जिलिंग पहाडि ़ों में भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ था। भूस्खलन ने घरों को बहा दिया, सडक संपर्क काट दिया, गांवों को अलग-थलग कर दिया और सैकड़ों पर्यटकों फंसे हुए हैं। अब उत्तर बंगाल के दोआर्स क्षेत्र में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उत्तर बंगाल में भारी बारिश की चपेट में आकर मरने वालों के स्वजनों के लिए पांच-पांच लाख रुपए के मुआवजे की घोषणा की है। मृतकों के परिवार के एक सदस्य को स्पेशल होम गार्ड की नौकरी भी दी जाएगी। हालात का जायजा लेने सोमवार को उत्तर बंगाल रवाना होने से पहले कोलकाता एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में ममता ने बंगाल में बाढ़ के लिए फिर केंद्र को दोषी ठहराते हुए कहा कि अगर कोलकाता, हल्दिया व फरक्का बंदरगाहों की ठीक तरह से ड्रेजिंग कराई गई होती और दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के मैथन व पंचेत बांधों की पानी को रोकने की क्षमता बढ़ाई गई होती तो ऐसी विकट स्थिति उत्पन्न नहीं होती।

डीवीसी अपने बांधों से बेतहाशा पानी छोड़ रहा है। इसके बजाय वह नदियों में जमा गाद साफ करके उनकी गहराई क्यों नहीं बढ़ा रहा? अगर मैथन व पंचेत बांध पानी नहीं रोक सकते तो उनकी जरूरत क्या है? म्मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र ने बंगाल को बाढ़, सडक, आवास इत्यादि के लिए फंड देना बंद कर दिया है। इस रकम का इस्तेमाल वह वोट में धांधली व चुनाव आयोग को राजनीतिक उद्देश्य से प्रभावित करने में कर रहा है।

भूटान से आग्रह, धीमी गति से छोड़ें पानी: ममता ने कहा कि बंगाल सरकार ने भूटान को अपनी नदियों से धीमी गति से पानी छोड़ने को कहा है। वहां से छोड़े गए पानी से नागराकाटा, जलपाईगुड़ी, धूपगुड़ी, अलीपुरद्वार समेत उत्तर बंगाल के विभिन्न स्थानों को क्षति पहुंची है। ममता ने दावा किया कि सभी पर्यटकों का उद्धार कर लिया गया है। सिर्फ डायमंड हार्बर का एक व्यक्ति बेहद दूरवर्ती स्थान पर होने के कारण लापता है।

हिमाचल में एक ही दिन में 11 डिग्री तक लुढका पारा, गर्म कपड़ों में लिपटे लोग

शिमला: पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता बढ़ने से हिमाचल की ऊंची पहाड़ियों पर बर्फबारी और निचले क्षेत्रों में भारी बारिश ने प्रदेश को एकदम से ठंड की चपेट में ले लिया है। प्रदेश में एक ही दिन में तापमान 11.5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। पूरे प्रदेश में सुबह-शाम के साथ दिन में भी ठंड रही और लोग गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आए। कल्पा जैसे क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री सेल्सियस तक लुढक गया है, वहीं भुंतर, केलांग, चंबा और डलहौजी में भी तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में सोमवार को भी बर्फबारी का दौर जारी रहा। रोहतांग दर्रा, अटल टनल के नॉर्थ पोर्टल, दारचा, जिस्पा, सेवन सिस्टर पीक, मणिमहेश और पांगी घाटी के सुराल, हुडान, चस्क भटोरी के साथ मुख्यालय केलाड़ में भी ताजा बर्फबारी हुई है। बारालाचा, शिंकुला और कुंजम दर्रा समेत ऊंची चोटियां भी सफेद हो गई हैं। बर्फबारी के कारण दारचा-शिंकुला, दारचा-बारालाचा औरकोकसर-लोसर सडक वाहनों की आवाजाही के लिए बंद हो गई है। लाहुल घाटी में सबसे ज्यादा बर्फबारी दर्ज की गई है, जबकि राजधानी शिमला सहित कुल्लू व अन्य भागों में बारिश दर्ज की गई है। बारिश-बर्फबारी से पूरे प्रदेश में ठंडक बढ़ गई है।

मौसम विज्ञान विभाग शिमला के अनुसार सात अक्तूबर से राज्य के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश, बिजली कडकने और 30-50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार वाली तेज हवाओं के साथ तूफानी स्थितियां बन सकती हैं। उच्च पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी की भी आशंका है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों और ऊंचाई वाले मार्गों पर यातायात और सामान्य जीवन प्रभावित हो सकता है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। मौसम विभाग ने कहा है कि सात अक्तूबर से 12 अक्तूबर तक मौसम में बदलाव और जोखिम बना रहेगा। कांगड़ा, कुल्लू, चंबा, मंडी, शिमला और सिरमौर जिलों में भारी बारिश और तूफानी गतिविधियों के साथ स्थानीय प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। सभी नागरिकों और अधिकारियों को अत्यधिक सतर्क रहने और यात्रा तथा दैनिक गतिविधियों में सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने सात अक्तूबर को प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान जताया है। मंगलवार को कुछ स्थानों पर भारी बारिश का यलो अलर्ट है। आठ अक्तूबर को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। इस दौरान उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी होगी। नौ अक्तूबर से पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहने के आसार हैं। माता शिकारी की पहाड़ियों ने ओढ़ी सफेद चादरः सराज घाटी का मौसम सोमवार को पूरी तरह बदला नजर आया और माता शिकारी मंदिर के आसपास की ऊंची पहाड़ियों ने बर्फ की सफेद चादर ओढ़ ली, जिससे पूरे इलाके के सौंदर्य में चार चांद लग गए हैं। क्षेत्र में सुबह से शुरू हुई बर्फबारी दोपहर तक जारी रही, वहीं निचले इलाकों में दिनभर रुक-रुककर बारिश होती रही। लगातार बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी से घाटी का तापमान अचानक गिर गया है। ठंडी हवाओं के चलते लोगों ने गर्म कपड़े पहनने शुरू कर दिए हैं। बर्फबारी के बाद माता शिकारी धाम का नजारा बेहद मनमोहक हो गया है।

न्यूज IN ब्रीफ

शोक सभा का आयोजन

दुमका : सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका में सोमवार को कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर की अध्यक्षता में एक शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के दो दिवंगत कर्मियों डॉ. कृपाशंकर अवस्थी एवं श्री प्रमोद नाथ को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बता दे डॉ.अवस्थी पाकुड़ कॉलेज के जूलॉजी विभाग के सह प्राध्यापक थे और विवि में सीसीडीसी के रूप में भी कार्य कर चुके थे वहीं प्रमोद विवि के सेंट्रल लाइब्रेरी में गैर शैक्षणिक कर्मचारी के रूप में कार्यरत थे। रजिस्ट्रार डॉ. राजीव रंजन शर्मा ने सभा की शुरूआत करते हुए बताया कि यह आयोजन दोनों कर्मियों की आत्मा की शांति एवं उनके विश्वविद्यालय में दिए गए योगदान को स्मरण करने के उद्देश्य से किया गया है। डॉ. अवस्थी का निधन 12 सितंबर को हुआ था; वे न केवल एक समर्पित शिक्षक थे, बल्कि सीसीडीसी के रूप में भी उन्होंने महत्वपूर्ण कार्य किए थे। वहीं, श्री प्रमोद नाथ का निधन 26 सितंबर को हुआ, जो एक कर्मठ एवं सजग कर्मचारी थे। सभा में उपस्थित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकों व कर्मचारियों ने अपने विचार एवं संस्मरण साझा किए। नेतलाल मिर्धा ने प्रमोद नाथ को मृदुभाषी एवं सरल स्वभाव का बताया और कहा कि उन्होंने विभिन्न कार्यालयों में निष्ठापूर्वक कार्य किया। डॉ. हसमत अली ने डॉ. अवस्थी को एक योग्य प्रशासक व शिक्षक बताया, जबकि डॉ. अजोय सिन्हा ने उन्हें एक संघर्षशील शिक्षक नेता बताया, जिनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय के बाहरी गेट का निर्माण हुआ। डॉ. विजय कुमार ने दोनों की मृत्यु को विश्वविद्यालय के लिए गहरी क्षति बताया। संजय कुमार सिन्हा ने प्रमोद नाथ को अपना पूर्व छात्र बताते हुए उन्हें कर्मठ एवं सक्रिय बताया और कहा कि उनका जाना व्यक्तिगत शोक है। डॉ. सुजीत सोरेन ने कहा कि उन्हें चार वर्षों तक अवस्थी जी के साथ विकास पदाधिकारी के रूप में कार्य करने का सौभाग्य मिला और प्रमोद को उन्होंने एक सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर व्यक्ति बताया। डॉ. पीपी सिंह ने डॉ. अवस्थी को एक सामाजिक व्यक्ति बताया जो गरीबों को निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा देते थे। अंत में रजिस्ट्रार द्वारा शोक प्रस्ताव पढ़ा गया और सर्वसम्मति से पारित किया गया और यह निर्णय लिया गया कि प्रस्ताव की एक प्रति दोनों परिवारों को प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारी, शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।

डॉ सरजीत डे के आवास पर लखी पूजा हर्षोल्लास मनाया गया

ज्योति पाठक : चक्रधरपुर के सुविख्यात होमियोपैथिक चिकित्सक सरजीत डे के आवास पर लखी पूजा पूर्ण रुपेण विधि विधान के साथ संपन्न हुआ। पूजा अर्चना के पश्चात काफी संख्या में लोगों ने भोग प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर डॉक्टर सरजीत डे ने कहा कि- विजयादशमी के पश्चात पुर्णिमा के दिन लखी पूजा के अवसर पर लोगों के साथ पूजा अर्चना एवं सामुहिक रुप से भोग प्रसाद ग्रहण करना आपसी स्नेह और अपनत्व का बोध कराता है। गौरतलब हो कि डॉक्टर सरजीत डे के आवास पर प्रत्येक वर्ष लखी पूजा धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है जिसमें काफी संख्या में लोग उपस्थित होकर माँ की पूजा अर्चना करते हैं।

शरद पूर्णिमा पर बाबा धाम मंदिर में लगा भक्तों का तांता

देवघर : शरद पूर्णिमा के मौके पर सोमवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने बैजनाथ धाम में जलाभिषेक किया. देर शाम तक बाबा धाम में श्रद्धालु जलाभिषेक कर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करते दिखे.

आज का शरद पूर्णिमा हिंदू पंचांग के अनुसार काफी महत्वपूर्ण है. पौराणिक कथाओं के अनुसार माना जाता है कि शरद पूर्णिमा के दिन माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु धरती पर भ्रमण करते हैं. पौराणिक कथाओं के अनुसार यह भी माना जाता है कि आज के दिन खुले आसमान से गिरने वाले शीत में रखे खीर को खाने से शरीर के सारे बीमारी दूर हो जाती है.

बाबा मंदिर के वरिष्ठ पुजारी बाबा झलक बताते हैं आज का दिन बैजनाथ धाम में पूजा करने से भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है. ऐसा माना जाता है कि शरद पूर्णिमा के दिन अमृत की वर्षा होती है जो भी व्यक्ति माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की आराधना करते हैं, उन्हें कभी भी किसी काम में बाधा नहीं होता है.

भक्तों की भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन की तरफ से विशेष इंतजाम किए गए. बाबा मंदिर के मुख्य प्रबंधक रमेश परिहस्त बताते हैं कि आज के दिन बाबा मंदिर में सबसे ज्यादा भीड़ होती है. क्योंकि यह माना जाता है कि अगर आज के दिन बैजनाथ धाम में कोई भक्त जलाभिषेक करता है तो उसके जीवन की हर कष्ट समाप्त हो जाती है. इसीलिए श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए हर जगह सुरक्षाकर्मी तैनात नजर आए.

शरद पूर्णिमा के दिन बिहार के सभी जिलों से लोग देवघर में पहुंचकर भगवान भोलेनाथ पर जलाभिषेक कर उनसे अपने और अपने परिवार के बेहतर भविष्य की कामना की.

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव: नामांकन तिथि से 10 दिन पूर्व भी नये मतदाता कर सकते हैं आवेदन

संवाददाता

जमशेदपुर: पूर्वी सिंहभूम जिला के जमशेदपुर लोकसभा अंतर्गत घाटशिला विधानसभा उपचुनाव की तारीख की घोषणा के साथ ही जिला प्रशासन अलर्ट हो गई है.

पूर्वी सिंहभूम जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि शांतिपूर्ण माहौल मे चुनाव संपन्न राने के लिए तैयारी की गई है. जमशेदपुर कोआपरेटिव कालेज स्टॉन्ग रूम बनेगा मतगणना भी यहीं होगी. वहीं जिला के एसएसपी ने बताया कि फोर्स के अलावा ड्रोन के जरिये भी मॉनिटरिंग की जाएगी.

जमशेदपुर लोकसभा अंतर्गत 45 घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव की घोषणा कर दी गई है. उपचुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गया है. पूर्वी सिंहभूम जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी और जिला एसएसपी पीयूष पांडेय ने चुनाव प्रक्रिया से जुडी तैयारी की जानकारी दी.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी ने बताया कि 13.10.2025 से अधिसूचना जारी होगी उपचुनाव के लिए नामांकन की

अंतिम तिथि- 21.10.2025 है जबकि नामांकन पत्रों की जांच की तिथि 22.10.2025 है. नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि- 24.10.2025 जबकि 11.11.2025 को मतदान होगा. जमशेदपुर के बिस्टुपुर स्थित कोआपरेटिव कालेज को स्टॉन्ग रूम बनाया गया है. सभी ईवीएम यहीं रखे जाएंगा और 14.11.2025 को मतगणना भी कालेज में होगी.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों के अनुरूप जिला में आचार संहिता लागू होने के साथ ही निर्वाचन कार्य के लिए गठित सभी कोषांग को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं. निर्वाचन कार्य के लिए कुल 15 कोषांग बनाये गए हैं सभी नोडल पदाधिकारियों को उनकी भूमिका एवं दायित्वों के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए घाटशिला अनुमंडल के पदाधिकारी निवार्ची पदाधिककरी होंगे. नामांकन की प्रक्रिया अनुमंडल कार्यालय घाटशिला में संपन्न होगी. उन्होने बताया कि नये मतदाता उपचुनाव के लिए मतदाता नामांकन की अंतिम तिथि के 10 दिन पूर्व तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए आवेदन कर सकते हैं.

वहीं जिला के एसएसपी पीयूष पांडेय ने बताया कि चुनाव के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए समुचित सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी. क्रिटिकल बूथों की पहचान कर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी. साथ ही चुनाव के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने से रोकथाम के लिए नकद, शराब, उपहार, ड्रग्स के अवैध परिवहन एवं असामाजिक तत्वों की निगरानी के लिए 16 चेकनाका बनाए जाएंगे. जिसमें इंटर स्टेट 10, इंटर डिस्ट्रिक्ट 5 तथा शहरी क्षेत्र में 1 चेकनाका शामिल हैं.

एसएसपी ने बताया कि फरार अभियुक्तों के धरपकड़ के लिए अभियान चलाते हुए निरोधात्मक कार्रवाई की जाएगी. लाइसेंसी आर्म्स का सत्यापन कराते हुए जमा लिया जाएगा. साथ ही किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों के रोकथाम के लिए भी सघन अभियान चलाया जाएगा. घाटशिला उपचुनाव में फोर्स के अलावा ड्रोन से भी मॉनिटरिंग की जाएगी.

समाज कल्याण विभाग की आयोजित समीक्षा बैठक संपन्न

संवाददाता

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय स्थित सभागार कक्ष में समाज कल्याण विभाग से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपायुक्त श्री सिन्हा ने विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं की प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की तथा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान उपायुक्त श्री सिन्हा ने दुधानी राउत टोला की सेविका को चयन मुक्त करने का निर्देश देते हुए कहा कि जो भी सेविकाएं नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्र नहीं खोलती हैं, उन्हें चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई की जाए।

उन्होंने एलएस सरैयाहाट को टीएचआर वितरण में कमी को लेकर स्पष्टीकरण देने का भी निर्देश दिया।

शौचालय निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए उपायुक्त श्री सिन्हा ने स्पष्ट कहा कि निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में उपलब्ध प्री-एजुकेशन किट एवं अन्य सामग्रियों की उपलब्धता एवं उपयोगिता की जानकारी ली और बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अंजू कुमारी, सीडीपीओ एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : उपायुक्त

संवाददाता

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय में सोमवार को विद्युत विभाग से संबंधित बैठक आयोजित की गई। बैठक में दीपावली के अवसर पर निर्बाध एवं सुरक्षित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने को लेकर विशेष दिशा-निर्देश दिए गए।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सभी ट्रांसफॉर्मरों की पूर्व जांच कर ली जाए, ताकि किसी भी प्रकार की तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित न हो। उन्होंने निर्देश दिया कि विद्युत आपूर्ति बाधित होने की सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए यथाशीघ्र बिजली बहाल की जाए, ताकि आम लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

उन्होंने पूरा जिला स्तर पर पावर मैप तैयार करने का भी निर्देश दिया, जिससे विद्युत व्यवस्था को बेहतर और सुदृढ़ तरीके से प्रबंधित किया जा सके।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने मुख्यमंत्री उज्ज्वला ज्योति योजना की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को शेष बचे गांवों में शीघ्रतापूर्वक विद्युतीकरण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने अधिकारियों को शिकायत के त्वरित समाधान करने तथा आमजन को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पूरी गंभीरता से कार्य करने का निर्देश दिया।

श्रम, नियोजन एवं आईटीआई से संबंधित बैठक संपन्न

संवाददाता

दुमका : उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय में श्रम, नियोजन एवं आईटीआई से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय कार्यों की प्रगति एवं बेहतर क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने निर्देश दिया कि सभी ट्रेनिंग सेंटर का नियमित निरीक्षण किया जाए। यदि कहीं भी कमी पाई जाती है तो उसकी जानकारी त्वरित रूप से उपलब्ध कराई जाए ताकि आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बैठक के दौरान छात्रों के प्लेसमेंट की स्थिति की भी समीक्षा की।

श्रम विभाग की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि सभी प्रखंडों में तिथिवार व्यापक प्रचार-प्रसार कराते हुए संगठित मजदूरों का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से उन क्षेत्रों की पहचान करने का निर्देश दिया जहां के श्रमिक रोजगार के लिए बाहर जाते हैं। ऐसे क्षेत्रों में कैम्प लगाकर पंजीकरण कराने का भी निदेश दिया।

नियोजन विभाग की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि युवाओं के मार्गदर्शन हेतु नियमित कैरियर काउंसलिंग का आयोजन किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि इसके लिए मास्टर ट्रेनर तैयार किए जाएं ताकि सभी विद्यालयों में कैरियर काउंसलिंग आयोजित की जा सके। इस संदर्भ में उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

आईटीआई कॉलेजों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त श्री सिन्हा ने दुमका, शिकारीपाड़ा, सरैयाहाट एवं जरमुंडी आईटीआई कॉलेज के प्राचार्यों को छात्रों के प्लेसमेंट पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक छात्रों का रोजगार सुनिश्चित करने के लिए ठोस पहल की जाए। बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

जमशेदपुर में लगभग 40 लाख की ब्राउन शुगर के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

जमशेदपुर : शहर के आदित्यपुर में पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. पुलिस ने भारी मात्रा में ब्राउन शुगर के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. एसपी ने बताया कि नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा.

दरअसल जमशेदपुर से सटे सरायकेला खरसावां जिला के आदित्यपुर क्षेत्र में पुलिस गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर नशे का कारोबार करने वाले के खिलाफ इस कार्रवाई को अंजाम दिया है.

कार्रवाई से पहले हुआ जांच दल का गठन

सूचना के आधार पर विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया. गठित दल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए बाउन शुगर की खरीद बिक्री में संलिप्त 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है तथा उनके पास से कुल 207.91 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई है. जिसका अनुमानित मूल्य 40 लाख के लगभग है. गिरफ्तार किए गए आरोपियों का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है. सभी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है.

गुप्ता सूचना के आधार पर कार्रवाई

पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि आदित्यपुर में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस लगातार अभियान चलाकर अवैध काम करने वाले के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है. बावजूद इसके आदित्यपुर में नशे का अवैध कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा था. जिसके बाद पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की.

लातेहार में वन पट्टा की मांग हुई तेज, अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हजारों आदिवासी

संवाददाता

लातेहार: वन अधिकार अधिनियम के तहत मिलने वाले सामुदायिक और व्यक्तिगत वन पट्टे की मांग को लेकर अब आदिवासी आर पार की लड़ाई लड़ने का मन बना चुके हैं. इसी कड़ी में लातेहार जिले में 2000 से अधिक आदिवासी समुदाय के लोग अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे हैं.

झारखंड जनाधिकार महासभा के बैनर तले अनिश्चितकालीन धरना पर जिले के लगभग सभी प्रखंडों से 2000 से अधिक आदिवासी बैठे हैं, जिनमें महिला और पुरुष शामिल हैं. अनिश्चितकालीन धरना दे रहे आदिवासियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाता, तब तक उनका धरना जारी रहेगा.

पट्टे के लिए भेजा आवेदन लेकिन नहीं सुनवाई

आदिवासी समाज के लोगों का कहना है कि लातेहार जिले में वन अधिकार अधिनियम के तहत लाभुकों को, वन पट्टा देने के मामले में प्रशासन और वन विभाग लापरवाही बरत रहा है. उनका आरोप है कि लातेहार में लगभग 3000 से अधिक व्यक्तिगत वन पट्टा और ढाई सौ से अधिक सामुदायिक वन पट्टा का आवेदन विभाग के पास पेंडिंग है, जबकि सभी आवेदन ग्राम सभा के माध्यम से भेजे जा चुके हैं.

विभागीय मनमानी की वजह से वन पट्टा से वंचित आदिवासी

इतना ही नहीं वन अधिकार अधिनियम 2005 के तहत ग्रामीणों को वनों का संरक्षण, संवर्धन और प्रबंधन का अधिकार भी देने का प्रावधान है, लेकिन इस प्रावधान का पूरे झारखंड में

कहीं भी पालन नहीं हो रहा है. विभागीय मनमानी के कारण ग्रामीणों को व्यक्तिगत और सामुदायिक वन पट्टा भी नहीं मिल पा रहा है.

अधिकारी पट्टे देने में कर रहे हैं मनमानी

अनिश्चितकालीन धरना का नेतृत्व कर रहे धोती फादर ने कहा कि वन अधिकार अधिनियम 2006 लातेहार जिले में 2008 में लागू किया गया था लेकिन पिछले कुछ सालों से प्रखंड पदाधिकार समिति, अनुमंडल वन अधिकार समिति और जिला स्तरीय वन अधिकार समिति के द्वारा ग्रामीणों को वन पट्टा देने के मामले में घोर मनमानी की जा रही है. उन्होंने आगे बताया कि हम अपना अधिकार मांग रहे हैं. किसी से भीख नहीं मांग रहे हैं. इसलिए जब तक हमारी मांगों को मानते हुए ग्रामीणों को वन पट्टा निर्गत नहीं किया जाएगा तब तक हमारा धरना जारी रहेगा.

आदिवासियों के निशाने पर राज्य सरकार

आदिवासी नेता कन्हाई सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने पहले कार्यकाल के चुनावी घोषणा पत्र में ही कहा था कि झारखंड में जंगल पर निर्भर रहने वाले लोगों को, वन अधिकार अधिनियम का पूरा लाभ दिया जाएगा, उन्हें मुख्यमंत्री बने 6 साल से अधिक समय हो चुका है लेकिन उन्होंने जनता से किया वादा पूरा नहीं किया है. आदिवासी नेता ने बताया कि अब अपने अधिकार के लिए आंदोलन करेंगे जब तक कि हमारा अधिकार नहीं मिलेगा तब तक हम अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे रहेंगे.